www.mumbaitarang.com

RNI No. MAHHIN/2020/78591
Postal Reg. No. MNW/354/2020-2022

MT™ MUMBAI TARANG

लोग हमारे बारे में क्या सोचते है? अगर ये भी हम सोचेंगे तो फिर लोग क्या सोचेंगे?

मुंबई तरंग

जय श्री राम
Yogi 8156045100 8401376537
Bimal Patel 8401886537
YOGI PROPERTY DEALER
Row House, Flats, Shop, Plot, Bunglows
PURCHASE, SALE & RENT
B-Mark Point, Dindoli Bus Stop, Near SBI Bank, Dindoli, Surat

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल ❖ उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-02 ❖ अंक-31 ❖ मुंबई ❖ रविवार 25 से 31 जुलाई 2021 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

पेज 3

चोरी की कार में 'सलाम-ए-इश्क!'.... पुणे का आशिक नवसारी में गिरफ्तार

पेज 5

बच्चों का टीका-एम्स निदेशक ने दी खुशखबरी, कहा- सितंबर तक आएगा वैक्सीन परीक्षण का परिणाम

पेज 7

निर्माता निर्देशक जयविंद्र सिंह भाटी 2 बेहतरीन फिल्में बना रहे हैं.

पेज 8
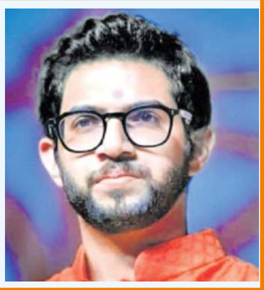
गुणवत्तापूर्ण और समय पर करो काम पूरा -आदित्य ठाकरे

महाराष्ट्र बारिश और बाढ़ में अब तक 136 की मौत

रायगढ़ में 6 जगह भूस्खलन, सीएम उद्धव ठाकरे करेंगे दौरा

मुंबई, महाराष्ट्र में बारिश आफत बनकर टूट रही है। बारिश, बाढ़ और भूस्खलन के कारण महाराष्ट्र के अलग-अलग जिलों में अब तक 136 लोगों की मौत हुई। रायगढ़ में कुल 6 इलाकों में भूस्खलन की घटना हुई। दो लोकेशन से अब तक 44 शव बरामद किए गए हैं। 35 का इलाज हो रहा है। एक लोकेशन में रेस्क्यू अभी भी जारी है। यहां 50 लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका जताई जा रही है। सीएम उद्धव ठाकरे आज रायगढ़ के महाण इलाके का दौरा करेंगे। महाराष्ट्र के राहत और पुनर्वास मंत्री विजय वडेट्टिवार ने मौतों की पुष्टि करते हुए कहा, 'महाराष्ट्र में बारिश और मानसून संबंधी घटनाओं में शुक्रवार शाम तक 136 लोगों की मौत हो चुकी है।' सीएम उद्धव ठाकरे 12 बजे हेलिकॉप्टर से बाढ़ प्रभावित महाण इलाके का दौरा करेंगे। वह तालिये गांव में भी लोगों से मुलाकात करेंगे। तालिये गांव में 49 की मौत, 47 लापता रायगढ़ जिले के तालिये गांव में शुक्रवार को भूस्खलन से 49 लोगों की मौत हो गई है जबकि 47 लोग लापता बताए जा रहे हैं। बारिश और भूस्खलन के चलते लोगों के घर भी उजड़ गए। यहां की एक निवासी अंकिता ने कहा, मेरा घर जा चुका है। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। लोगों ने यहां घर बसाए थे और उसके लिए लोन भी लिया था। अब सब चला गया। चिपलूण में कोविड सेंटर में बाढ़ का पानी

घुसने से बिजली संपर्क टूट गया। इससे वहां वेंटिलेटर के 8 कोविड मरीजों की मौत की खबर है। वहां तीन और लोगों की जान गई। रत्नागिरी में 6 और लोगों की मौत की खबर है। सतारा में 26 लोगों की मौत हुई। मध्य महाराष्ट्र, कोकण और गोवा से सटे इलाकों में अगले दो दिन भारी बारिश का रेड अलर्ट है। महाराष्ट्र रायगढ़ में बारिश ने सबसे ज्यादा तबाही मचाई है। यहां तीन जगह हुए भूस्खलन में 36 की मौत हो चुकी है। भारतीय नौसेना ने प्रभावित इलाकों की एरियल सर्वे के दौरान तस्वीर ली है जिसमें अधिकतर इलाका पूरी तरह जलमग्न दिख रहा है। सतारा जिले स्थित कोयना नदी में बाढ़ आने के चलते आस-पास के इलाकों में पानी घुस गया। कई इलाकों का संपर्क टूटा।

रायगढ़, कोंकण, सातारा में दो दिन रेड अलर्ट रायगढ़, कोंकण और सातारा में अगले दो दिन के लिए रेड अलर्ट है। कोल्हापुर, रत्नागिरी और सिंधुदुर्ग ऑरेंज अलर्ट पर है। कोल्हापुर की नदी पंचगंगा, रत्नागिरी की काजली और मुचकुंदी, कृष्ण नदी और कोयना डैम के साथ-साथ विशिष्टि नदी अब भी खतरे के निशान के ऊपर बह रही है। मृतकों के घरवालों को 5-5 लाख रुपये महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने बारिश के कारण हुए हादसों में मृतकों के घरवालों को 5-5 लाख रुपये की अंतरिम मदद का ऐलान किया है। केंद्र सरकार मृतकों के परिजन को दो लाख रुपये और घायलों को 50 हजार रुपये देगी। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने मंत्रालय के आपात नियंत्रण कक्ष में पहुंचकर हालात का जायजा लिया। उप मुख्यमंत्री अजित पवार ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से चर्चा की। बचाव के लिए सेना और नौसेना की टीमें तैनात हैं। महाराष्ट्र के राहत एवं पुनर्वास सचिव असीम गुप्ता को रक्षा मंत्रालय के साथ समन्वय के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। संरक्षण मंत्रियों अदिति तटकरे (रायगढ़) और अनिल परब (रत्नागिरी) से अपने क्षेत्रों में मौजूद रहकर राहत और बचाव अभियानों की निगरानी करने को कहा गया है।

मुंबई में बहुमंजिली इमारत की सर्विस लिफ्ट गिरी, चार लोगों की मौत और कई अन्य हुए घायल

मुंबई, नव निर्मित बहुमंजिली इमारत के निर्माण कार्य में इस्तेमाल होने वाली सर्विस लिफ्ट के गिर जाने से चार लोगों की मृत्यु हो गई और कई अन्य घायल हो गए। बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) की आपदा नियंत्रण इकाई ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि वर्ली में अंबिका बिल्डिंग में शाम 5:45 के आसपास यह दुर्घटना हुई। एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई जबकि तीन अन्य को अस्पताल में मृत घोषित किया गया। दुर्घटना के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। मरने वालों की पहचान अविनाश दास, भरत मंडल, चिन्मय मंडल के रूप में की गई है। 45 वर्षीय एक व्यक्ति की अभी पहचान नहीं हो पाई है। लक्ष्मण मंडल नाम का एक व्यक्ति गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती है। समाचार एजेंसी एएनआइ के मुताबिक, केईएम अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. यूसुफ ने कहा, 'केईएम अस्पताल में लाए गए दो में से एक को पहले से ही मृत घोषित किया गया जबकि दूसरे की हालत गंभीर है।' तीन अन्य को नायर अस्पताल ले जाया गया जहां उन्हें मृत घोषित किया गया।

मुंबई क्राइम ब्रांच की पूछताछ के समय 4 बार रो पड़ीं शिल्पा शेट्टी

मुंबई. पोर्नोग्राफी मामले में राज कुंद्रा के फंसने के बाद शुक्रवार को मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच की टीम ने कुंद्रा और शिल्पा शेट्टी के बंगले पर भी छापेमारी की थी. साथ ही क्राइम ब्रांच ने पोर्नोग्राफी मामले में शिल्पा शेट्टी का स्टेटमेंट भी दर्ज किया था. क्राइम ब्रांच के सूत्रों के मुताबिक पूरे स्टेटमेंट के दौरान शिल्पा शेट्टी 3 से 4 बार रो पड़ी, शिल्पा शेट्टी ने इस दौरान क्राइम ब्रांच के अधिकारियों से ये भी पूछा कि आप बताइए, क्या राज कुंद्रा ने ऐसा (पोर्नोग्राफी) काम किया है क्या? इस दौरान शिल्पा शेट्टी ने क्राइम ब्रांच के अधिकारियों को ये भी बताया कि इस पूरे मामले की वजह से उनकी इमेज को बहुत धक्का लगा है. उनके हाथ से कई ब्रांड्स और कॉन्ट्रैक्ट्स भी निकल गए हैं. इस दौरान क्राइम ब्रांच ने वियान इंडस्ट्रीज में शेयर होल्डिंग में हिस्सेदारी को लेकर राज कुंद्रा और शिल्पा शेट्टी को 2 से 3 बार आमने सामने बैठाकर पूछताछ भी की थी.

पोर्नोग्राफी मामले में शुक्रवार को क्राइम ब्रांच ने राज कुंद्रा और शिल्पा शेट्टी से कई अहम सवाल पूछे :-

* क्या आपको हाट्शॉट के बारे में पता है. उसे कौन चलता है?
* हाट्शॉट के वीडियो कंटेंट के बारे में आप क्या कुछ जानती हैं?
* क्या कभी आप हाट्शॉट के कामकाज में शामिल हुई हैं?
* क्या कभी प्रदीप बक्शी (राज कुंद्रा के जीजा) से हाट्शॉट को लेकर बातचीत हुई है?
* आप वियान कम्पनी से साल 2020 में क्यों निकलीं, जबकि कंपनी में आपकी काफी हिस्सेदारी थी?
* क्या आपको वियान और कैमरिन के बीच के पैसों के व्यवहार की जानकारी है?
* पोर्न विडियो को लंदन भेजने या अपलोड करने में कई बार वियान के दफ्तर का इस्तेमाल किया गया है क्या आपको इसकी जानकारी है?
* क्या आपको राज कुंद्रा के सारे कामकाज की जानकारी है कि वे कौन-कौन सा काम करते हैं? उनके बिजनेस क्या हैं?

मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच ने अश्लील फिल्में बनाने और कुछ ऐप के जरिए प्रसारित करने के मामले में सोमवार (19 जुलाई) रात राज कुंद्रा को गिरफ्तार कर लिया था. इसके बाद वे 23 जुलाई तक पुलिस हिरासत में थे. मुंबई की अदालत ने शुक्रवार (23 जुलाई) को राज की पुलिस हिरासत की अवधि 27 जुलाई तक के लिए बढ़ा दी है.

एक्शन में मनपा आयुक्त... महिला अधिकारियों के हाथ कमान!

ठाणे, अवैध निर्माण की शिकायतों तथा हाल में हुई कुछ घटना एवं दुर्घटनाओं के चलते मनपा आयुक्त डॉ. विपिन शर्मा ने प्रशासनिक स्तर पर व्यापक फेर बदल कर दिया है। आयुक्त ने तीन उपायुक्तों तथा ८ सहायक आयुक्तों का एक साथ तबादला कर अधिकारी वर्ग को एक कड़ा संदेश दिया है। जिन-जिन प्रभागों से अवैध निर्माणों की शिकायतें सबसे ज्यादा मिल रही थीं, उन सभी प्रभागों की कमान महिला अधिकारियों के हाथ सौंप दी है। इतना ही नहीं, अतिक्रमण उपायुक्त का तबादला कर एक महिला अधिकारी को अतिक्रमण विभाग का मुखिया बना दिया गया है। बता दें कि महापौर तथा मनपा आयुक्त को अवैध निर्माणों से जुड़ी अनेक शिकायतें लगातार मिल रही थीं। इस संबंध में महापौर नरेश म्हस्के ने आयुक्त डॉ. शर्मा को एक कड़ा पत्र लिखा था, जिसमें अवैध निर्माणों पर लगाम लगाने तथा इससे जुड़े अधिकारियों पर एक्शन लेने का निर्देश दिया था। इसी दौरान कलवा के घोलाई नगर के आसपास स्थित पहाड़ियों पर बने अवैध झोपड़ों तथा झोपड़ों के पास हुए भूस्खलन में एक ही परिवार के ५ लोगों की मौत, रात भर आर्केस्ट्रा बीयर बारों के चलने जैसे मामलों के प्रकाश में आने के बाद मनपा आयुक्त हरकत में आ गए। तीन उपायुक्तों तथा ८ सहायक आयुक्तों का एक ही साथ झटके से तबादला कर दिया। अतिक्रमण विभाग के मुखिया के तौर पर कई वर्षों से कार्यरत अशोक बुरपुले का जहां घन कचरा विभाग में तबादला कर दिया गया, वहीं उनकी जगह तेज-तर्रार महिला अधिकारी अश्विनी बाघमले को नियुक्त किया गया है। कलवा, मुंब्रा, दिवा तथा माजीवाड़ा मानपाढा प्रभाग समिति में सबसे ज्यादा अवैध निर्माण तथा अतिक्रमण की शिकायतें मिल रही थीं, लिहाजा उक्त प्रभागों से सभी पुरुष अधिकारियों का तबादला कर सहायक आयुक्त के तौर पर तेज- तर्रार महिला अधिकरियों की नियुक्ति कर दी गई है।

कोरोना मुक्ति की राह पर स्लम!... झोपड़पट्टी क्षेत्र में मात्र 5 कंटेन्मेंट जोन

मुंबई, कोरोना का दम अब मुंबई में घुटने लगा है। मनपा की नीतिगत योजना के आगे झोपड़पट्टी क्षेत्रों में कोरोना की दूसरी लहर घुटने टेकने लग गई है। मनपा के दिशा-निर्देशों के हो रहे कड़ाई से पालन के चलते रोजाना नए कोरोना मरीजों के केस में कमी आई है।

नतीजतन झोपड़पट्टी इलाकों से कोरोना लगभग साफ होने के कगार पर है। मुंबई के झोपड़पट्टी इलाकों में मात्र ५ कंटेंमेंट जोन बचे हैं और अब तक झोपड़पट्टी इलाकों के २,७८९ क्षेत्र को कंटेंमेंट जोन से मुक्त किया गया है। मनपा आंकड़ों के इन झोपड़पट्टियों के ५ कंटेंमेंट जोन में मानखुर्द में दो, भांडुप में एक, मालाड में एक तथा लालबाग के पास एक कंटेंमेंट जोन बचा है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी के अनुसार इन पांचों कंटेंमेंट जोन में कुल लगभग ९ हजार झोपड़े हैं और लगभग ४४ हजार लोग रहते हैं।

झोपड़पट्टी क्षेत्रों की तुलना में अब भी बिल्डिंग क्षेत्रों में कोरोना के मरीज अधिक मिल रहे हैं। यही वजह भी है कि कोरोना के मरीजों के चलते इमारतीय रहिवासी इलाकों में अब भी ६१ कंटेंमेंट जोन है। भांडुप, कुर्ला और चेंबूर में अधिक इमारतें कंटेंमेंट जोन में हैं। बता दें कि झोपड़पट्टी इलाकों में रहिवासियों की इम्युनिटी पावर इमारती क्षेत्रों में रहनेवालों से अधिक है। यह बात स्वयं मनपा के अधिकारी कह चुके हैं, ऐसे में कोरोना को मात देने में झोपड़पट्टी के लोग आगे हैं। यहां भी मात्र ५ कंटेंमेंट जोन ही बचे हैं।

२४ घंटे में मिले ४१३ मरीज

शनिवार को भी कोरोना के नए मामले ५०० से कम आए तो ठीक होनेवालों की संख्या नए मरीजों की तुलना में अधिक थी।

कुल ४१३ नए मरीज मिले तो ६११ मरीज ठीक हुए। इसी के साथ एक्टिव मरीजों की संख्या ५,७९९ तक आ गई है। अब तक कुल ७,३५,७५७ मरीज मिले हैं और ७,०९,८०९ मरीज ठीक हुए हैं। कुल१५,७६६ लोगों की मौत हुई है।

करगिल के वीरों को नमन करें, पढ़ें जवानों की शौर्य गाथा-पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के जरिए राष्ट्र को संबोधित कर रहे हैं। ओलंपिक खेलों में गए भारतीय खिलाड़ियों को उन्होंने शुभकामनाएं दी और लोगों से ओलंपिक में गए भारतीय दल को प्रोत्साहित करने की अपील की। पीएम मोदी ने कहा कि खिलाड़ी चुनौतियों को पार कर पहुंचे हैं। उनका हौसला बढ़ाना जरूरी है। पीएम मोदी ने कहा कि टोक्यो ओलंपिक में तिरंगा देखकर पूरा देश रोमांचित हुआ।पीएम ने कहा कि कल यानि 26 जुलाई को करगिल विजय दिवस भी है। करगिल का युद्ध भारत की सेनाओं के शौर्य और संयम का प्रतीक है। इस बार ये गौरवशाली दिवस भी अमृत महोत्सव के बीच मनाया जाएगा। इसलिए ये और भी खास हो जाता है मैं चाहूंगा

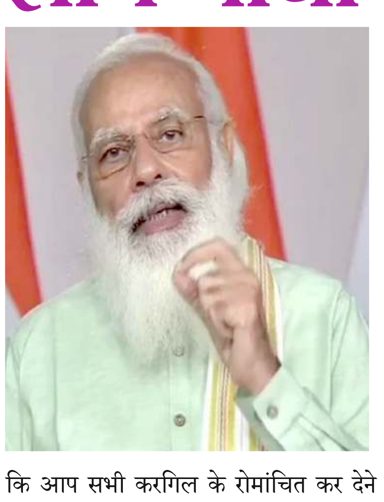

कि आप सभी करगिल के रोमांचित कर देने वाली गाथा जरूर पढ़ें, करगिल के वीरों को हम सब नमन करें।हमें आजादी के 75 साल होने पर गर्व- मोदीपीएम मोदी ने कहा कि इस बार 15 अगस्त को आजादी के 75 साल पूरे हो रहे हैं। यह बहुत बड़ा सौभाग्य है कि जिस आजादी के लिए देश ने सदियों का इंतजार किया, उसके 75 साल होने के हम साक्षी बन रहे हैं।इस बार अमृत महोत्सव पर बड़ा कार्यक्रम होगा। उन्होंने कहा कितने ही स्वतंत्रता सेनानी और महापुरुष हैं, जिन्हें अमृत महोत्सव में देश याद कर रहा है। सरकार और सामाजिक संगठनों की तरफ से भी लगातार इससे जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। अमृत महोत्सव किसी सरकार का, किसी राजनीतिक दल का कार्यक्रम नहीं है। यह कोटि-कोटि भारतवासियों का कार्यक्रम है। स्वतंत्रता दिवस पर ज्यादा से ज्यादा लोग राष्ट्रगान में भाग लें।

पेगासस जासूसी:पंख वाले घोड़े पर सवार सरकार...कुछ अहम सवाल उठा रहे हैं चिदंबरम

एक मंत्री पद की शपथ लेता/लेती है कि वह अपने कर्तव्य का पालन बिना किसी भय या पक्षपात, अनुराग या द्वेष के करेगा/करेगी। यहां तक तो अच्छा है, लेकिन क्या सत्य, पूर्ण सत्य और सत्य के अलावा कुछ भी नहीं कहने का वादा इसमें अंतर्निहित नहीं है (जैसा कि एक गवाह को अदालत में होना चाहिए)?स्पष्ट रूप से ऐसा नहीं है। सत्य के अपने आपमें कई वैरिएंट हैं और यह (सार्स कोरोना वायरस-2 की तरह) म्यूटेट (रूपांतरित) भी हो सकता है। सत्य है; सत्य के पचास रंग हैं; पूर्ण सत्य है; और वैकल्पिक सत्य है। मुझे लगता है कि कोई मंत्री अवसर के आधार पर उनमें से किसी एक को चुन सकता है।एक नए मंत्री ने अपने पहले भाषण में यही किया। जब राजनेताओं, जजों, पत्रकारों, नागरिक अधिकार कार्यकर्ताओं, विद्यार्थियों, कारोबारियों और 'पसंदीदा लोगों'में शामिल मित्रों की जासूसी को लेकर तूफान उठा, तब पता चला कि हजारों मोबाइल फोन धारकों को पर्सन्स ऑफ इंटरेस्ट' के रूप में सूचीबद्ध किया गया था। इनमें से सैकड़ों मोबाइल फोनों में पेगासस नामक मालवेयर का इस्तेमाल कर स्पाईवेयर के जरिये सेंध लगाई गई और उन्हें हैक किया गया। 'पर्सन्स ऑफ इंटरेस्ट' की सूची में यह मंत्री भी शामिल थे!पौराणिक कथा की यात्रा(यहां पौराणिक कथाओं की ओर थोड़ा-सा विषयांतर संदर्भ से अलग नहीं होना चाहिए। ग्रीक पौराणिक कथा के अनुसार पेगासस एक पंखों वाला घोड़ा था, जो मेडुसा के खून से निकला था। वह ज्यूस का सेवक बन गया और जब जरूरत होती थी, तब वह ज्यूस के लिए बादलों की गड़गड़ाहट पैदा करता था और बिजली चमकाता था। पेगासस एक रहस्यमय प्राणी है

और 'सब कुछ करने में सक्षम है, दैवीय प्रेरणा या स्वर्ग की यात्रा का प्रतीक है'। वह कुछ कुछ कुछ इस नारे की तरह था, मोदी है, तो मुमकिन है।

पेगासस मामले की जांच हो

संसद के मॉनसून सत्र के शुरुआती दो दिन हंगामे की भेंट चढ़ गए। इस बार मामला कथित तौर पर जासूसी के एक अंतरराष्ट्रीय भंडाफोड़ से जुड़ा है। पेरिस स्थित एक मीडिया नॉन प्रॉफिट फॉरबिडेन स्टोरीज और ऐमनेस्टी इंटरनैशनल को विभिन्न देशों के ऐसे 50,000 फोन नंबरों की सूची मिली, जिनके बारे में संदेह है कि पेगासस स्पाईवेयर के जरिए उनकी हैकिंग कराई गई। इन नंबरों में भारत के 40 पत्रकारों सहित केंद्रीय मंत्रियों, विपक्ष के नेताओं, सुरक्षा संगठनों के मौजूदा और पूर्व प्रमुखों, वैज्ञानिकों आदि के भी शामिल होने की बात कही जा रही है। इस्राइली कंपनी एनएसओ ग्रुप के पेगासस स्पाईवेयर से जुड़ा विवाद दो साल पहले भी उठा था। सरकार ने तब भी इस बात से इनकार किया था कि किसी तरह की अवैध निगरानी कराई जा रही है। इस बार भी केंद्रीय सूचना और प्रौद्योगिकी मंत्री ने संसद में साफ-साफ कहा कि भारत में चेक एंड बैलेंस की जितनी पक्की कानूनी व्यवस्था है, उसमें यह संभव ही नहीं कि सरकार के स्तर पर किसी तरह से

अवैध जासूसी कराई जा सके। लेकिन जब इस तरह के सवाल उठ जाते हैं तो सिर्फ खंडन से बात नहीं बनती। कोई ऐसा रास्ता तलाशना पड़ता है, जिससे सवालों के विश्वसनीय जवाब मिल सकें। जब तक ऐसी कोई राह नहीं निकलती, तब तक हंगामा और आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला चलता रहेगा। इस बीच यह देखना भी जरूरी है कि शोर-शराबे में इस मुद्दे से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण पहलू दब न जाएं। पहली बात यह कि सवाल पेगासस या ऐसे किसी अन्य टूल का नहीं बल्कि उसके उपयोग और दुरुपयोग का है। जो देश पेगासस की लिस्ट में नहीं हैं, वे भी कोई दूध के धुले नहीं हैं। पिछले साल ही अमेरिका की एक अदालत ने वहां की राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी द्वारा देश के अंदर बड़े पैमाने पर कराई गई फोन सर्वेलांस को असंवैधानिक करार दिया था। दूसरी बात यह कि जब फोन सर्वेलांस के ऐसे साधन उपलब्ध नहीं थे, तब भी सत्ता पक्ष द्वारा इस तरह की निगरानी कराई जाती थी। इसी आधार पर इसे सत्ता का स्वभाव करार देते हुए स्वाभाविक बताने की भी कोशिश कुछ हलकों से हो रही है।

लेकिन यह समझा जाना चाहिए कि सत्ता के ऐसे स्वभाव पर अंकुश लगाने की कोशिशों से ही लोकतंत्र का जन्म और विकास हुआ है। प्राइवेसी लोकतंत्र की ओर से हर नागरिक को मिला एक ऐसा उपहार है, जिसे सत्ता के स्वभाव की भेंट नहीं चढ़ाया जा सकता।

वैसे, अभी तो यह देखना होगा कि आरोपों में कितनी सचाई है, लेकिन अगर यह सच है तो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लोकतांत्रिक अधिकारों के हनन की इस कोशिश को हलके में लेना वैश्विक लोकतंत्र को खतरे में डालना होगा। इसलिए सरकारों की कोई सीधी भूमिका हो या न हो, इसकी विश्वसनीय जांच से कतराने की कोई वजह नहीं है।

काफी नहीं ऑनलाइन क्लास

किरीट ए. चावड़ा

कोरोना महामारी और लॉकडाउन के बावजूद स्कूल-कॉलेजों में पढ़ाई का काम ठप न हो जाए, इसके लिए ऑनलाइन क्लासों का सहारा लिया गया। लेकिन हाल में हुए एक सर्वे ने बताया है कि ऑनलाइन टीचिंग के जरिए कोर्स पूरा करने की रस्मअदायगी भले कर दी गई हो, वास्तव में स्टूडेंट्स तक वह ज्ञान पहुंच नहीं पाया, जो अकादमिक सत्र के दौरान उन तक पहुंचाया जाना था। एजुकेशन टेक्नलॉजी सॉल्यूशन प्रोवाइडर टीम लीज एडटेक के इस सर्वे में 75 विश्वविद्यालयों के 700 से अधिक छात्रों और ऑफिसरों को शामिल किया गया था। सर्वे में 85 फीसदी स्टूडेंट्स ने माना कि जो कुछ उन्हें सीखना था, ऑनलाइन पढ़ाई के जरिए वे बमुश्किल उसका आधा ही सीख पाए। यह बात और है कि क्लास के दौरान और परीक्षा से भी इसका पता नहीं चला। स्टूडेंट्स को नंबर अच्छे आए क्योंकि ऑनलाइन परीक्षा में किताबों और नोटबुकों की मदद लेना आसान था। शिक्षकों के मुताबिक इन स्टूडेंट्स से बातचीत या सवाल-जवाब करने पर स्पष्ट हो जाता है कि उनकी समझ का स्तर वह नहीं है, जो होना चाहिए था। विश्वविद्यालयों के 88 फीसदी अधिकारियों ने यह भी कहा कि इस लर्निंग गैप की भरपाई करने में तीन साल से अधिक का वक्त लग

सकता है। वैसे यह समस्या सिर्फ अपने देश तक सीमित नहीं है। चूंकि महामारी और लॉकडाउन के चलते दुनिया भर में पढ़ाई को ऑनलाइन मोड में शिफ्ट करना पड़ा, इसलिए स्वाभाविक ही लर्निंग का यह गैप भी हर जगह देखा जा रहा है। यह जरूर है कि विकसित देशों के मुकाबले भारत में यह ज्यादा है। जहां फ्रांस में यह गैप 9.84 फीसदी, अमेरिका में 13.8 फीसदी, जर्मनी में 25 फीसदी और ब्रिटेन में 21-30 फीसदी होने का अनुमान व्यक्त किया गया है, वहीं भारत में इसे 40-60 फीसदी बताया जा रहा है। अपने देश में इंटरनेट तक पहुंच रखने वाले परिवारों की सीमित संख्या, किसी भी बदलाव को अपनाने के मामले में सरकारी संस्थानों की मंथर गति और अन्य देशों के मुकाबले लॉकडाउन की ज्यादा लंबी अवधि जैसे कारकों को ध्यान में रखें तो लर्निंग गैप का ज्यादा होना चौंकाता नहीं है। हालांकि इसका मतलब यह नहीं है कि इसके संभावित नुकसानों से हमें किसी तरह की छूट मिल जाएगी। आधी-अधूरी समझ के साथ पास हुए इन स्टूडेंट्स के लिए अगली क्लास का सिलेबस समझना और मुश्किल होगा। यही नहीं, इसी समझ के साथ जब ये जॉब मार्केट में जाएंगे तो हो सकता है पूरे बैच की एक जैसी स्थिति के चलते कॉम्पिटिशन का लेवल ही नीचे आ जाए और इन्हें जॉब भी मिल जाए, लेकिन बाद में उस जॉब से जुड़ी चुनौतियों से निपटना इनके लिए मुश्किल होगा। ऐसे में लर्निंग गैप को भरने का तरीका यही है कि उच्च शिक्षा के महामारी से पहले वाले तौर-तरीके जल्द अपनाए जाएं। जितना संभव हो, पढ़ाई क्लासरूम में हो। इसका रास्ता तेजी से वैक्सिनेशन करके निकाला जा सकता है। हमें याद रखना होगा कि इस मामले में किसी भी तरह की कोताही का देश के भविष्य पर बुरा असर पड़ेगा।

जिगर डी वाढेर

जासूसी तो होती है, लेकिन इस तरह की नहीं

सरकारी जासूसी का जैसा रहस्योद्घाटन आजकल हो रहा है, स्वतंत्र भारत में शायद पहले कभी नहीं हुआ। वैसे, दुनिया की कोई सरकार ऐसी नहीं, जो जासूसी का पूरा तंत्र न चलाती हो, लेकिन लोकतंत्र में जासूसी भी कुछ कानून-कायदों के मुताबिक चलती है। उसे कुछ मर्यादाओं का पालन करना होता है। इस बार हमारी संसद में सरकारी जासूसी का ऐसा मामला उठा है, जिसके कारण सरकार की मुश्किल बढ़ी है। इस्राइल की एनएसओ नामक कंपनी का एक सॉफ्टवेयर है, पेगासस। इस सॉफ्टवेयर की खूबी यह है कि यह किसी के फोन और कंप्यूटर पर होने वाली बातचीत, संदेशों और चित्रों को रेकॉर्ड कर लेता है और उस व्यक्ति को इसकी भनक तक नहीं लगती। इसका उपयोग दुनिया के 40 देशों की 60 संस्थाएं कर रही हैं। इसके द्वारा लगभग 50 हजार लोगों की जासूसी की जाती है। संसद में विपक्षी सदस्यों ने आरोप लगाया है कि पेगासस की सूची में 300 भारतीयों के नाम हैं। इनमें 40 पत्रकार, दो केंद्रीय मंत्री, तीन विरोधी नेता, एक पूर्व न्यायाधीश, एक पूर्व चुनाव आयुक्त और कई अन्य व्यवसायों से जुड़े लोग भी हैं।

आतंकवाद रोकना है मकसद

नए-नए नाम रोज प्रकट होते जा रहे हैं। एनएसओ ने दावा किया है कि वह अपना सॉफ्टवेयर सिर्फ प्रामाणिक सरकारों को बेचती है ताकि वे आतंकवादियों, संगीन अपराधियों, तस्करों और विदेशी जासूसों पर निगरानी रख सकें। भारत में जितने बड़े पैमाने पर जासूसी की बात सामने आई है, उसके मद्देनजर कहा जा रहा है कि खरीदी गई पेगासस की कीमत लगभग 500 करोड़ रुपये होगी। क्या कोई गैर-सरकारी संस्था इस यंत्र पर इतना पैसा खर्च करेगी? भारत सरकार की ओर से इन आरोपों का जवाब देने की जिम्मेदारी आई नव-नियुक्त सूचना तकनीक मंत्री अश्विनी वैष्णव पर! दिलचस्प बात यह है कि खुद वैष्णव का नाम भी उस सूची में है, जिनकी कथित तौर पर जासूसी हो रही थी। वैष्णव ने दो-टूक शब्दों में कहा है कि अवैध जासूसी की यह खबर निराधार है। भारत सरकार जासूसी का कोई भी गैर-कानूनी काम नहीं करती। लेकिन संसद और देश की जनता यह जानना चाहेगी कि भारत सरकार कौन से कानून के तहत जासूसी करती है? ऐसे दो कानून हैं। एक तो 1885 का इंडियन टेलिग्राफिक एक्ट और दूसरा 2000 का सूचना तकनीक एक्ट! इन दोनों कानूनों के तहत हजारों लोगों के फोन टैप किए जाते रहे हैं और चिट्ठियां पढ़ी जाती रही हैं। कांग्रेस सरकार ने 2013 में बताया था कि उसने 7500 से 9000 फोन टैप किए थे। इस तरह की सभी जासूसी

हमारी केंद्र और राज्यों की सरकारें 'कानून के मुताबिक' करती हैं।

यह कानून क्या है? यह कानून सिर्फ यही है कि गृह-सचिव को जिस व्यक्ति के खिलाफ कुछ भी संदेह हो या जिसके बारे में भी ऊपर से इशारा हो, उसके खिलाफ जासूसी शुरू करवा दे। उसे यह मनमाना अधिकार है। उसे किसी को बताने या किसी की सहमति लेने की जरूरत नहीं है। इस अधिकार का उसने दुरुपयोग तो नहीं किया है, इस प्रश्न की जांच के लिए स्वतंत्र और निष्पक्ष व्यवस्था नहीं है। यह काम कैबिनेट सचिव और दो अन्य नौकरशाहों के जिम्मे लगा दिया जाता है। वे क्या करेंगे? वे वही करेंगे, जो मंत्री कहेगा। नौकरशाहों के निर्णय ठीक हैं या नहीं, इसका फैसला या तो किसी न्यायाधीश या सांसदों की किसी कमिटी के हाथ में होना चाहिए। सांसदों की कमिटी क्या किसी नेता के विरुद्ध जासूसी होने देगी? यदि कोई नेता आतंकवाद, देशद्रोह या खून-खराबे में लिप्त हो तो वह ऐसा क्यों नहीं होने देगी?

असली दिक्कत तब उपस्थित होती है, जब सरकारें जासूसी का इस्तेमाल राष्ट्रहित नहीं, स्वहित के लिए करती हैं। वरना क्या वजह है कि पत्रकारों, विपक्षी नेताओं, जजों, उद्योगपतियों और अपने मंत्रियों को भी सरकार निशाना बनाती है? इस मामले में जिन लोगों की जासूसी करने के कथित आरोप लग रहे हैं, क्या वे राष्ट्रविरोधी हरकतों में शामिल हैं? अगर ऐसा है तो सरकार स्वयं उनके नाम प्रकट क्यों नहीं करती? पत्रकारों के खिलाफ जासूसी तो इसीलिए की जाती है कि उनकी खबरों के गुप्त स्रोतों का सरकार को पता चल सके। पत्रकारिता लोकतंत्र का चौथा खंभा है। यह खंभा अगर खोखला हो गया तो विधानपालिका और न्यायपालिका का कोई महत्व नहीं रह जाएगा। पत्रकारों और सच्चे नेताओं का जीवन खुली किताब की तरह होता है। उनके पास छिपाने के लिए कुछ नहीं होता। उन्हें जो कहना या करना होता है, उसे वे खम ठोककर खुले-आम करते हैं। यदि उनका कोई दोष हो तो सरकार जरूर बताए। दोषियों के नाम प्रकट करने में सरकार को डर क्या है? संसद में हंगामा होने पर सूचना तकनीक मंत्री वैष्णव ने जो जवाब दिया, वह खानापूर्ति के अलावा कुछ नहीं है। उन्होंने यह क्यों नहीं बताया कि सरकार ने पेगासस का इस्तेमाल किया है या नहीं?

सारे तथ्य सामने लाएं

यह सच है कि जासूसी किए बिना कोई सरकार नहीं चल सकती। दुनिया की सभी सरकारें अपना जासूसी-तंत्र मजबूती से चलाती हैं। लेकिन यदि उसकी पोल खुल जाए तो फिर वह जासूसी-तंत्र ही क्या हुआ? इस पेगासस का ढक्कन उघाड़ा है, फ्रांस की संस्था 'फॉरबिडन स्टोरीज' और एमनेस्टी इंटरनैशनल ने। दुनिया के कई प्रसिद्ध अखबार इस रहस्योद्घाटन में जुटे हुए हैं। इस जासूसी के मामले में भारत सरकार का रवैया दो-टूक होना चाहिए। या तो वह सारे तथ्य स्वयं ही प्रकट कर दे या उन लोगों से माफी मांगे, जिन निर्दोष लोगों पर वह जान-बूझकर या अनजाने में जासूसी कर रही थी। यदि वह ऐसा नहीं करती है तो यह माना जाएगा कि वह निजता, गोपनीयता और आत्माभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के संवैधानिक प्रावधानों का उल्लंघन कर रही है।

इस महामारी से कैसे बच निकले नक्सली?

भूपेन्द्र पटेल

माओवादियों की केंद्रीय कमेटी के प्रवक्ता अभय की 7 जुलाई 2021 की एक विज्ञप्ति की आखिरी लाइन है, 'संघर्ष के सिवा जनता के न्यूनतम नागरिक और जनवादी अधिकारों को बचाया नहीं जा सकता और संघर्ष के सिवा कोई चारा नहीं है।' भारत में माओवादियों को शायद अंतहीन गुरिल्ला लड़ाई का प्रशिक्षण और भरोसा ही जिंदा रखे हुए है, नहीं तो पिछले पचास सालों में सैकड़ों बार इस आंदोलन के खत्म हो जाने की घोषणा की जा चुकी है। तब भी, जब 1967 के नक्सलवादी आंदोलन को तीन-चार सालों के भीतर ही कुचल दिया गया था और तब भी जब किशनजी या आजाद जैसे माओवादी मारे गए। शीर्ष माओवादी नेताओं के आत्मसमर्पण के बाद भी ऐसे ही दावे होते हैं और यह सिलसिला अब भी जारी है। टीके का इंतजाम कोरोना के कारण जब माओवादियों की केंद्रीय कमेटी के सदस्य हरिभूषण या विनोद की मौत की खबर आई तो एक बार फिर सैकड़ों माओवादियों के गंभीर रूप से बीमार होने के साथ ऐसे भी कयास लगने लगे कि क्या कोरोना माओवादियों के पूरे आंदोलन को निगल जाएगा? लेकिन इन अटकलों के साथ-साथ माओवाद प्रभावित इलाकों से ऐसी खबरें भी आने लगीं कि माओवादी अपने लिए कोरोना की दवाओं और टीके का इंतजाम करने में सफल रहे हैं।खबरों की मानें तो माओवादी जिस तरह अपनी दूसरी जरूरतों को पूरा करते रहे हैं, उसी तरह शहरी नेटवर्क और ग्रामीण इलाकों में काम करने वाले स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं पर दबाव बना कर उन्होंने दवा और कोरोना का टीका भी हासिल कर लिया। कुछ इलाकों में स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं से दवा और टीका लूटने की भी खबरें आईं, लेकिन इनकी पुष्टि नहीं हो पाई। माओवादियों की लगभग हरेक टीम में दवा और छोटे-मोटे शल्य चिकित्सा के जानकार होते हैं। खुफिया सूत्रों की मानें तो कोरोना के ताजा हमले के बाद माओवादियों की टीम के चिकित्सा व्यवस्था के जानकारों की जिम्मेवारी और बढ़ गई है। यूं तो बस्तर के इलाके में पुलिस ने बीमार माओवादियों को समर्पण के लिए प्रेरित करने की लगातार कोशिश की। समर्पण करने वाले माओवादियों का इलाज भी किया गया, लेकिन कोरोना से हुई लगभग दर्जन भर मौतों के बाद भी माओवादी अपने कैडर को आत्मसमर्पण से रोकने में सफल रहे हैं। यह सही है कि पिछले कुछ सालों में

छत्तीसगढ़ के बस्तर इलाके में सुरक्षा बलों की तगड़ी कार्रवाई और घेराबंदी के कारण माओवादी मुश्किल में आए हैं। माओवादियों ने तो पिछले कुछ महीनों में अपने ठिकानों पर ड्रोन से बम गिराए जाने के भी आरोप लगाए हैं, जबकि पुलिस इससे इनकार करती आई है। ड्रोन से जंगल के भीतर निगरानी से भी उनकी परेशानी बढ़ी है। माओवादियों के दस्तावेज बताते हैं कि गढ़चिरौली में माओवादी विरोधी अभियान से जुड़े लोगों ने माओवादियों की ओर से मंगाए गए एक रेडियो में जीपीएस ट्रैकर लगा कर उन्हें भेज दिया और बाद में उनकी लोकेशन के आधार पर हमला किया, जिसमें कई माओवादी मारे गए। माओवादियों की केंद्रीय कमेटी का सुरक्षाबलों को लेकर हाल का यह बयान उनके डर को उजागर करता है, 'दुश्मन हमारी आपूर्ति व्यवस्था में घुसकर इलेक्ट्रॉनिक और इलेक्ट्रिकल वस्तुओं जैसे कंप्यूटर्स, प्रिंटर्स, रेडियोज, पावर बैंक, सोलर प्लेट, वॉकी-टॉकी आदि के भीतर जीपीएस ट्रैकर्स लगा कर भेज रहा है।' तकनीक के मोर्चे पर माओवादियों की यह हार सरकार के लिए सुखद हो सकती है, लेकिन सच यह भी है कि इसी दौरान नक्सलियों ने देश के दूसरे हिस्सों में भी अपने पैर फैलाए हैं। बस्तर से होते हुए कांकेर के रास्ते माओवादी मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के जंगलों में तेजी से फैले हैं। हालत यह है कि छत्तीसगढ़ के ही मुंगेली जिले को पहली बार इस साल माओवादी प्रभावित जिला घोषित किया गया है।

माओवादियों ने पिछले कुछ सालों में एमएमसी यानी महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ जोन नाम से अपनी नई कमिटी बना कर इलाका विस्तार शुरू किया है। पीपल्स वॉर ग्रुप के दौर में जिन जिलों पर माओवादियों की पकड़ पहले मजबूत थी, उन्होंने फिर से उनमें अपनी जमीन तलाशनी शुरू की है। पिछले कुछ दिनों में कान्हा नैशनल पार्क से लगे हुए इलाके में मुठभेड़ हुई हैं और भोपाल तक माओवादियों को हथियार की सप्लाई करने वाले लोग पकड़े गए हैं। तमाम दावों के बाद भी गृह मंत्रालय की सूची में छत्तीसगढ़ के बस्तर, बीजापुर, दंतेवाड़ा, कांकेर, नारायणपुर, राजनांदगांव और सुकमा देश के सर्वाधिक माओवाद प्रभावित जिले बने हुए हैं। इसके अलावा आंध्र प्रदेश का विशाखापत्तनम, बिहार का गया, जमुई और लखीसराय, झारखंड का चतरा, गिरिडीह, गुमला, खूंटी, लातेहार, लोहरदगा, सरायकेला-खरसवां और पश्चिमी सिंहभूम, ओडिशा का कंधमाल, मलकानगिरी और कालाहांडी, मध्य प्रदेश का बालाघाट और तेलंगाना का भद्राद्री-कोठागुडेम अब भी सर्वाधिक माओवाद प्रभावित जिले हैं।

लीजेंड दादासाहेब फालके अवॉर्ड 2021 मे चंद्रशेखर पुसालकर, सुमन तलवार (साउथ), राहुल शेवाळे, अनु मलिक, अनूप जलोटा, मुकेश ऋषि जैसी हस्तिया मौजूद

बॉलीवुड फिल्मों के डायरेक्टर और लीजेंड दादा साहेब फालके अवार्ड के फाउंडर डॉक्टर कृष्णा चौहान ने आज ११ जुलाई २०२१ को मेयर हॉल जूहू, मुम्बई में लीजेंड दादा साहेब फालके अवार्ड २०२१ भव्य पैमाने पर आयोजित किया।

इस अवार्ड फंक्शन में बहुत सारी सेलेब्रिटीज़ ने शिरकत की। दक्षिण मध्य मुंबई चेम्बूर से शिवसेना सांसद राहुल शेवाले यहां मुख्य अतिथि के रुप में मौजूद रहे। इस पुरस्कार समारोह में दादा साहेब फालके के ग्रैंडसन चंद्रशेखर पुसाल्कर भी चीफ गेस्ट के रूप में मौजूद थे। साथ ही मशहूर संगीतकार अनु मलिक, पद्मश्री अनूप जलोटा, गजेंद्र चौहान, मुकेश ऋषि, एक्टर सिद्धार्थ निगम, अरुण बख्शी, अनिल नागरथ, रागिनी द्विवेदी, गीतकार सुधाकर शर्मा , ब्राइट के डॉ योगेश लखानी, को भी इस पुरस्कार से नवाजा गया। इस अवार्ड फंक्शन के स्पेशल गेस्ट थे साउथ सिनेमा के मशहूर एक्टर सुमन तलवार, खास तौर पर बेंगलुरू से मुम्बई आए थे। उन्होंने शिवाजी द बॉस और गब्बर इज़ बैक जैसी काफी फिल्मों में अपनी अदाकारी का जादू दिखाया है। सुमन तलवार को भी पुरस्कार से सन्मानित किया. हिंदी और मराठी फिल्म उद्योग में उनके काम के लिए लीजेंड दादासाहेब फालके २०२१ पुरस्कार हिमांशु झुनझुनवाला (द्वापर प्रमोटर), कैलाश मासूम, सोहेल फिदाई, अमित मिश्रा, अवनींद्र आषुतोष, देवेंद्र खन्ना, पुष्कर ओझा, शैलेश पटेल, दिलीप पटेल, राजेश कुरील, रमाकांत मुंडे ओर प्लेबेक सिंगर चांदनी वेगड़ (जामनगर) को भी चंद्र शेखर पुसालकर (लेजेंड दादाvसाहेब फालके के पोते) द्वारा दिया गया और फोटोग्राफी के लिये राजेश कोरील को भी पुरस्कार से सन्मानित किया गया. इंटरनेशनल सेलेब्रिटी एंकर सिमरन आहूजा ने इस अवार्ड शो को होस्ट किया जबकि इंटरनेशनल परफॉर्मर शीरीन फरीद, जेबा काजी की स्टेज परफॉर्मेंस ने सबका दिल जीत लिया। उल्लेखनीय है कि केसीएफ प्रेजेंट्स लेजेंड दादा साहेब फालके अवार्ड २०२१ इंडियन सिनेमा का सबसे बड़ा पुरुस्कार है। आपको बता दें कि कृष्णा चौहान मुम्बई में लीजेंड दादा साहेब फालके अवार्ड मई २०२१ में कराने वाले थे मगर कोरोना काल और लॉकडाउन की वजह से ये अवार्ड फंक्शन उस समय नहीं हो पाया। इसी लिए यह अवॉर्ड रविवार ११ जुलाई को शानदार ढंग से किया गया। कृष्णा चौहान की ओर से २६ दिसंबर २०२१ को बोलीवुड आइकोनिक अवार्ड २०२१ का आयोजन भी किया जाएगा। गौरतलब है कि कृष्णा चौहान इसी साल २८ फरवरी को बोलीवुड आइकोनिक अवार्ड २०२१ का सफल आयोजन करा चुके हैं।गौरतलब है कि कृष्णा चौहान का एनजीओ/ ट्रस्ट है जिसका नाम कृष्णा चौहान फाउंडेशन है। इस संस्था के अंतर्गत गरीबों और जरूरतमंदों में भोजन का वितरण और भगवतगीता का वितरण किया जाता है। कृष्णा चौहान खुद एक सामाजिक कार्यकर्ता है, जो लोगो की मदद के लिए हमेशा तैयार रहते हैं।उल्लेखनीय है कि कृष्णा चौहान एक फिल्म निर्देशक हैं जो गोरखपुर यूपी के रहने वाले हैं और मुंबई में १८ वर्षों से रह रहे हैं। इन वर्षों में कृष्णा चौहान ने बॉलीवुड के कई मशहूर निर्देशकों को असिस्ट किया और आज कृष्णा चौहान किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं। कृष्णा चौहान को आज पूरा बॉलीवुड जानता है।कृष्णा चौहान की एक हिंदी फिल्म "जीना नही तेरे बिना" रिलीज़ के लिए तैयार है। उनका एक हिंदी एल्बम "ज़िक्र तेरा" भी रिलीज़ होने वाला है। उन्हें उनकी हिंदी शार्ट फिल्म के लिए बेस्ट निर्देशक का पुरस्कार भी मिल चुका है।

कृष्णा चौहान आज जो भी हैं अपनी कड़ी मेहनत की वजह से हैं। बॉलीवुड में अपनी एक अलग पहचान रखने वाले कृष्णा चौहान फिल्म निर्देशक होने के हाथ साथ अवार्ड फंक्शन का आयोजन भी करते रहते हैं। साथ ही वह कृष्णा चौहान फाउंडेशन भी संचालित करते हैं।

कृष्णा चौहान एक ऐसी हस्ती का नाम है जिन्होंने अपने जन्मदिन पर लोगो में राशन किट बाटे। वह "कर भला तो हो भला" और "सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास" पर यकीन रखते हैं।

चोरी की कार में 'सलाम-ए-इश्क!'.... पुणे का आशिक नवसारी में गिरफ्तार

मुंबई, लोग इश्क में न जाने क्या-क्या कर बैठते हैं। पुणे के एक छात्र ने अपनी प्रेमिका पर रोब जमाने के लिए एक कार ही लूट ली। इस चोरी की कार में वह प्रेमिका के साथ मुंबई की ओर इश्क फरमाने निकला पर पुलिस ने बीच रास्ते में ही उसे पकड़कर उसके सलाम-ए-इश्क की दास्तां का अंत कर दिया। क्राइम ब्रांच ने इस आशिक को गिरफ्तार कर उमरा पुलिस के हवाले कर दिया है। मिली जानकारी के अनुसार पुणे के रहने वाले इस आशिक के पास से पुलिस ने कार के अलावा २.२६ लाख रुपए नगद, एक एयरगन और एक लैपटॉप बरामद किया। पुलिस ने इस आशिक को उसकी प्रेमिका के साथ नवसारी के बोरियाच टोल प्लाजा पर पकड़ लिया। जानकारी के मुताबिक सूरत में बुधवार की सुबह ११.३० बजे के करीब एक ६० वर्षीय बुजुर्ग को एयरगन दिखाकर एक युवक कार लेकर फरार हो गया। सीसीटीवी और मुखबिरों की मदद से पुलिस को जानकारी मिली थी कि आरोपी एक लड़की के साथ मुंबई की तरफ रवाना हुआ है। उसके बाद नवसारी पुलिस को कार की डिटेल दी गई।

मालाड (पश्चिम) में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की ओर से महँगाई को लेकर 'जन आक्रोश आंदोलन' शुरू किया गया

मुंबई। पेट्रोल-डीजल और घरेलू गैस की आसमान छूती कीमतों तथा महँगाई के खिलाफ राष्ट्रवादी कॉंग्रेस पार्टी के महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष व जलसंसाधन मंत्री श्री जयंतराव पाटील, मुंबई अध्यक्ष व मंत्री नवाब मलिक के आदेशानुसार उत्तर मुंबई जिल्हा अध्यक्ष अँडवोकेट इंद्रपाल सिंह जी व जिल्हा निरीक्षक दिनकर तावडे साहेब, उत्तर मुंबई जिल्हा अध्यक्षा महिला श्रीमती प्रियाताई बांदिवडेकर, मालाड तालुका निरीक्षक विजय शेट्टीजी, मनी शंकर चौहान,ताजुदिन इनामदार, सतीश असावरे, किरण मोरे, जमाल शेख, समीर शेख, काशिनाथ नलावडे, मनोहर भातुसे एनसीपी मालाड तालुका वार्ड क्रमांक 46 द्वारा गुरुवार 22 जुलाई 2021 को सुबह मालाड (पश्चिम) में स्टेशन रोड श्री सोन्या मारुति मंदिर के पीछे सामाजिक समाजसेवक व पार्टी कार्यकर्ता परशुराम शर्मा और मालाड महिला तालुका अध्यक्षा श्रीमती. ज्योती रामदास भैसारे, दत्ताराम कानडे, रिजवान शेख,सुबोध कवटकर,दाऊद भाई,अनिता मात्रे,शिल्पा पाटील, ज्योती गाईगवळी, अमित शर्मा,परशुराम शर्मा,वैशाली शेट्टी,अलका करांडे, प्रिशिला फर्नांडिस , सविता राऊत ,हीना शेख और बड़ी संख्या में एनसीपी पदाधिकारी, वार्ड अध्यक्ष, कार्यकर्ता मौजूद रहे और आंदोलन को सफल बनाया।

तेज बारिश से सतारा जिले में भारी भूस्खलन, 11 लोगों के शव बरामद, आठ फंसे लोगों की तलाश जारी

पश्चिम महाराष्ट्र के सतारा जिले में तेज बारिश के कारण बीते शुक्रवार को भारी भूस्खलन हुआ। इस घटना में एनडीआरएफ ने अब 11 लोगों के शव बरामद किए हैं जबकि आठ फंसे लोगों की तलाश अब भी जारी है। एसपी ने अपने बयान में कहा कि सतारा जिले में लगातार बारिश के कारण दो गांव या तो कट गए हैं या डूब गए हैं, जिससे राहत कार्यों के लिए भारी मशीन लाने में परेशानी हो रही है। महाराष्ट्र में अबतक 52 लोगों की मौत राज्य आपदा प्रबंधन विभाग ने कहा कि महाराष्ट्र में बारिश से संबंधित घटनाओं में मरने वालों की संख्या शनिवार को 52 तक पहुंच गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि तलिये गांव में आधिकारिक तौर पर मरने वालों की संख्या 37 है, जबकि शेष 10 मौतें एक ही जिले में भूस्खलन की दो अलग-अलग घटनाओं में हुई हैं। महाराष्ट्र आपदा प्रबंधन ने ने भूस्खलन प्रभावित विभिन्न क्षेत्रों को चिह्नित करते हुए रेड अलर्ट जारी किया है। नौ जिलों में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों से 90,000 लोगों को स्थानांतरित किया गया है। वहीं इन क्षेत्रों में एनडीआरएफ की 21 टीमों के साथ तटरक्षक बल और अन्य 14 टीमें एक साथ काम कर रही हैं।

व्यापक क्षति के बावजूद मध्य रेलवे ने 24 घंटे में बहाल की रेल सेवाएं, कहीं भू स्खलन तो कहीं जलभराव ने रोका रास्ता

मुंबई, 16 वर्षों में पहली बार 26 जुलाई 2005 के बाद पहली बार मुंबई-पुणे और मुंबई-नासिक घाट खंड गुरुवार को भारी बारिश के कारण रेल यातायात बंद रहा। लेकिन मध्य रेलवे ने व्यापक क्षति के बावजूद 24 घंटे के भीतर उन्हें बहाल कर दिया। हालांकि, रत्नागिरी क्षेत्र में चिपलूण और कामथे स्टेशनों के बीच वशिष्ठ नदी के जल स्तर के खतरे के निशान से ऊपर उठने के कारण कोंकण रेलवे प्रभावित रहा। दक्षिण पश्चिम रेलवे के दूधसागर-कारंजोल खंड में भूस्खलन के कारण मैंगलोर-मुंबई विशेष ट्रेन पटरी से उतर गई।

पटरी से उतरी रेल दक्षिण पश्चिम रेलवे के एक अधिकारी ने बताया , ट्रेन दूधसागर-सोनौलिम सेक्शन के बीच पटरी से उतरने पर किसी भी यात्री के हताहत होने की सूचना नहीं है । प्रभावित कोच के यात्रियों को अन्य डिब्बों में स्थानांतरित कर दिया गया उसके बाद फिर ट्रेन को वापस कुलेम ले जाया गया। मध्य रेलवे के अधिकारियों ने कहा कि उन्होंने क्षतिग्रस्त रेल पटरियों को जल्दी दुरुस्त करवाया और गुरुवार रात को ट्रेनों को फिर से शुरू किया गया। मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शिवाजी सुतार ने शुक्रवार को कहा, "कर्जत-खोपोली खंड को खोला जाना बाकी है, लेकिन यह आज रात तक सामान्य हो जाएगा।" उन्होंने कहा कि लगभग 21 स्थानों पर जलभराव, तटबंधों के बह जाने, घाटों और नदियों में भूस्खलन और खतरे के स्तर से ऊपर बहने के कारण पूरी तरह से रेल सेवा बाधित होने की सूचना है।

छमाछम पार्ट-2... पुलिस के बाद 4 एक्साइज अधिकारी नपे

ठाणे, कोरोना प्रतिबंधक नियमों की धज्जियां उड़ानेवालों पर सरकार सख्त एक्शन के मूड में है। शहर के कई ऑर्केस्ट्रा बीयर बारों के रातभर चलने की खबरें आई थीं। एक स्टिंग द्वारा किए गए इस खुलासे के बाद ४ पुलिस अधिकारियों पर निलंबन व तबादले की कार्रवाई हो गई, पर मामला अभी खत्म नहीं हुआ था। इस 'छमाछम' पार्ट-२ की कार्रवाई के तहत अब एक्साइज अधिकारियों पर गाज गिरी है। एक्साइज विभाग ने कड़ी कार्रवाई करते हुए अपने दो अधिकारियों तथा दो कर्मचारियों को निलंबित कर दिया है। इसके साथ ही विभाग ने अन्य कई अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

उल्लेखनीय है कि राज्य में कोरोना प्रतिबंधक नियम लागू हैं। इसके बावजूद वर्तक नगर तथा नौपाड़ा पुलिस थाना अंतर्गत गत १९ जुलाई की रात चार ऑर्केस्ट्रा बार में छुपे तौर पर रात भर 'छमाछम' का खुलासा हुआ था। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए राज्य उत्पादन शुल्क विभाग के आयुक्त कांति लाल उपाम ने कार्य क्षेत्रीय अधिकारी दुय्यम निरीक्षक प्रदीपकुमार हरिश्चंद्र सरजिने, दुय्यम निरीक्षक बजरंग रामचंद्र पाटील, सिपाही ज्योतिबा पाटील तथा सुरेंद्र म्हस्के को अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन न कर पाने के आरोप में तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। इसके अलावा अन्य संबंधित अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

विभाग का नियंत्रण कक्ष सभी नागरिकों के लिए २४ घंटे खुला है। शिकायत दर्ज कराने के लिए टोल फ्री क्रमांक १८००८३३३३३३ या व्हॉट्सऐप क्रमांक ८४२२००११३३ पर संपर्क किया जा सकता है। शिकायतकर्ता के नाम गुप्त रखे जाएंगे। यह जानकारी राज्य उत्पादन शुल्क विभाग के आयुक्त कांतीलाल उमाप ने दी है।

एकतरफा प्यार में प्रेमिका के पति की हत्या

नई मुंबई, रबाले में एक व्यक्ति ने अपने ही दोस्त की हत्या कर दी। आरोपी को नई मुंबई पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी और मृतक रबाले में एक ही जगह पर काम करते थे। इस दौरान दोनों के बीच काफी अच्छी दोस्ती हो गई, उनका एक दूसरे के यहां आना-जाना भी हो गया था। इसी बीच आरोपी को दोस्त की पत्नी से एक तरफा प्यार हो गया, जिसके बाद आरोपी ने उसके पति को रास्ते से हटाने के लिए उसकी हत्या कर दी। पुलिस उपायुक्त सुरेश मेंगडे ने बताया कि १९ जून को मृतक की पत्नी ने पुलिस स्टेशन में मिसिंग कंप्लेंट लिखवाई थी। कुछ देर बाद मृतक के भाई ने पुलिस को बताया कि रबाले में एक दुकान के बाहर उसके भाई के चप्पल पड़े हैं और शटर बंद है। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और दो गवाहों के सामने शटर खोला तो पता चला कि बाथरूम में लाश पड़ी है। फिर पुलिस ने आरोपी को पकड़ने के लिए एक टीम का गठन किया। पहले पुलिस को पता चला कि आरोपी उत्तर प्रदेश का रहने वाला है। फिर कुछ लोगों ने बताया कि वह बंगाली टोन में भी बात करता था, जिसके बाद पुलिस उसे पकड़ने के लिए प. बंगाल गई। वहां पता चला कि आरोपी गांव से वापस मुंबई जा रहा है। फिर पुलिस ने उसका पीछा किया और उसे इगतपुरी रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार कर लिया।

शरीर का डिटॉक्सिफिकेशन हुआ बेहद आसान, इस योग से घर बैठे पा सकते हैं लाभ

मनोज जोशी

शरीर को स्वस्थ और रोगमुक्त बनाए रखने के लिए समय-समय पर इसकी साफ-सफाई बेहद आवश्यक होती है। शरीर की साफ-सफाई का मतलब सिर्फ बाहरी स्वच्छता से नहीं है, इसके लिए इसे अंदर से भी स्वच्छ और शुद्ध बनाने की आवश्यकता

होती है। मेडिकल साइंस में इस क्रिया को डिटॉक्सिफिकेशन कहा जाता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक शरीर मल-मूत्र और पसीने के माध्यम से अपनी आंतरिक सफाई स्वयं करता रहता है, हालांकि फिर भी कुछ अपशिष्ट शेष रह जाते हैं। समय के साथ-साथ शरीर में यह अपशिष्ट बढ़ते रहते हैं जो कई तरह की बीमारियों का कारण बन सकते हैं। शरीर के डिटॉक्सिफिकेशन की वैसे तो कई विधियां हैं पर इस लेख में हम योग के माध्यम से आपको उस विधि के बारे में बताने जा रहे हैं, जिससे घर पर रहकर भी आप आसानी से अपने शरीर को एकदम शुद्ध बनाए रख सकते हैं।योगशास्त्र में 'अपान मुद्रा' को शरीर के डिटॉक्सिफिकेशन का सबसे कारगर योग अभ्यास बताया गया है। इस योग मुद्रा से आपकी आंखों, मुंह, कान और नाक से अपशिष्ट को हटाकर शरीर को आसानी से विषाक्त पदार्थों से होने वाले नुकसान से बचाया जा सकता है। योगगुरुओं का दावा है कि इस मुद्रा को करने से आप शरीर से 90 फीसदी तक विषाक्त पदार्थों को आसानी से खत्म कर सकते हैं। क्यों आवश्यक है शरीर का डिटॉक्सिफिकेशन? स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक डिटॉक्सिफिकेशन मुद्रा, शरीर के ऊर्जा चैनलों के साथ-साथ दिमाग से नकारात्मक ऊर्जा को खत्म करने मे सहायक है। सभी लोगों को दिन में कम से कम एक बार इस योग के माध्यम से शरीर की अशुद्धियों को दूर करने का प्रयास जरूर करना चाहिए। यह मुद्रा शरीर को अशुद्धियों को दूर करने के साथ और मन को बुरी ऊर्जा से मुक्त करने में बेहद सहायक हो सकती है। यह मुद्रा आपको उन विचारों, भावनाओं को दूर करने की मदद करती है जो शरीर को अंदर ही अंदर नुकसान पहुंचा रहे होते हैं।

कैसे करें अपान मुद्रा योग?इस योग को करने के लिए सबसे पहले शांतिपूर्ण स्थान पर बैठ जाएं। आसपास शोरगुल या नकारात्मक चीजें नहीं होनी चाहिए। यह योग आप लेटकर, बैठकर या खड़े होकर कैसे भी कर सकते हैं। इस आसन को करने के लिए सबसे पहले दोनों हाथों की तर्जनी से मध्यमा और अनामिका को छोटी उंगली से मिलाएं। अपने अंगूठे को अनामिका के निचले जोड़ के बीच में ऐसे रखें जिससे दो-दो उंगलियों के जोड़ अलग-अलग हो जाएं। ऐसा करके आंखों को बंद कर लें और धीमी-गहरी सांस लेनकर ध्यान लगाएं। इस अभ्यास को ज्यादा से ज्यादा वक्त तक करने की कोशिश करें।

किस तरह से फायदेमंद है यह योग? स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक यह मुद्रा शरीर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करने के साथ अपशिष्टों के हटाने में बेहद सहायक है। चूंकि डिटॉक्सिफिकेशन शरीर और दिमाग दोनों का हो रहा होता है, इसलिए इस मुद्रा के साथ शरीर को पर्याप्त आराम देने के साथ शरीर के अंदर की अशुद्धियों को दूर करने के लिए खूब पानी पीना महत्वपूर्ण है। कई शोध में साबित हो चुका है कि इस मुद्रा का उपयोग कब्ज, सूजन, बवासीर, उल्टी, हिचकी और बेचैनी जैसी समस्याओं के इलाज के लिए किया जा सकता है। यह मासिक धर्म के दर्द और रक्तचाप को कम करने में भी मदद करता है। इसके अलावा लिवर और किडनी को स्वस्थ बनाए रखने में भी इसे काफी फायदेमंद माना जाता है।

शादी से पहले खुद से जरूर करें ये 4 सवाल, पता चल जाएगा आप कितने हैं तैयार

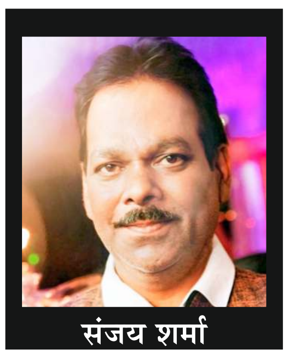
संजय शर्मा

हमारे जीवन में कई ऐसे मोड़ आते हैं, जहां पर हमें कई बड़े फैसले लेने होते हैं। जिंदगी में ऐसी कई चीजें होती हैं, जिन्हे लेकर लोग काफी सोचने और विचार करने के बाद ही फैसला लेते हैं। ऐसी कई चीजें हो सकती हैं, लेकिन जो सबसे बड़ी चीज इंसान की जिंदगी में होती है वो शायद शादी का फैसला लेना ही होता है। जहां आप पहले से अपनी जिंदगी को अपने हिसाब से जी रहे थे, अपनी मर्जी से सबकुछ करते थे, अपने मनमुताबिक चीजों के बारे में सोचते थे और खुद हर चीज का फैसला लेते थे आदि। ये सभी चीजें आगे चलकर बदल सी जाती हैं। अमूमन देखा जाता है कि लोग परिवार के दबाव में शादी कर लेते हैं, लेकिन शुरूआत के कुछ दिनों बाद उनके लिए इस रिश्ते को निभाना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में जरूरी होता है कि आप खुद से जाने कि क्या आप शादी के लिए तैयार हैं या नहीं? क्योंकि पूरी जिंदगी तो अपने पार्टनर संग आपको ही बितानी है। तो चलिए जानते हैं इन सवालों के बारे में

अभी शादी क्यों करनी चाहिए?आपको जानना चाहिए कि आपको अभी शादी क्यों करनी चाहिए? क्या ये शादी करने का सही समय है? आपके जाने से आपके घर वालों पर क्या असर पड़ेगा? आपके घर वालों के लिए आप आर्थिक रूप से कितने जरूरी हैं? अगर आप लड़की हैं तो आपको अपने ससुराल वालों की जिम्मेदारियां उठानी पड़ेंगी, और क्या आप ये जिम्मेदारियां उठाने के अभी काबिल हैं? जब इन सब सवालों के जवाब मिलें,

उसके बाद आप शादी के बारे में सोच सकते हैं। पार्टनर आपके लिए कितना सही है?अमूमन देखा जाता है कि कई परिवार अपनी दोस्ती को रिश्तेदारी में बदलने के लिए अपने बच्चों की शादियां करवा देते हैं। ऐसे में जरूरी नहीं कि जैसे आपके परिवार वाले आपके होने वाले पार्टनर के परिवार संग सहज महसूस करते हैं, आप भी करें। इसलिए जरूरी है कि आपको जानना चाहिए कि पार्टनर आपके पैरामीटर में कितना फीट है? पार्टनर के बारे में जानकर, अच्छे से सोचकर आप शादी का फैसला ले सकते हैं।

आप फैमिली प्लानिंग को लेकर कितने तैयार हैं?आपको खुद से ये सवाल जरूर करना चाहिए कि आप फैमिली प्लानिंग को लेकर कितने तैयार हैं? आपके ससुराल वाले, आपके खुद के माता-पिता, आपके रिश्तेदार हर कोई आपसे शादी होने के बाद ही बच्चे को लेकर सवाल करने लगेगा। माना एक-दो साल तक आप इस बात को इग्नोर कर सकते हैं, लेकिन इसके बाद तो आपको जवाब देना ही होगा। इसलिए इस बारे में भी सोच-विचार करना जरूरी है।

दूसरों की बातों को कैसे हैंडल कर सकते हैं आप?ये सवाल भी शादी के बाद आपकी जिंदगी का हिस्सा बन जाता है कि दूसरों की बातों को कितना हैंडल कर सकते हैं या सुन सकते हैं आप? ऐसा इसलिए कि अगर आप लड़की हैं और आपकी शादी हो जाती है, तो इसके बाद कई बार सास आपको ताने मार सकती है या कुछ ऐसी बात कह सकती हैं, जिसे आपको सहन करना पड़ सकता है। वहीं, आपकी अपने पति से भी कभी लड़ाई हो सकती है। ऐसे में आपको इन सब बातों को हैंडल करते हुए अपने परिवार को हंसी-खुशी आगे बढ़ाने की कला भी आनी चाहिए।

अलर्ट: जीभ के रंग में बदलाव से जानिए सेहत का हाल, ऐसे लक्षण दिखें तो हो जाएं सावधान

शरीर के स्वस्थ रहने के लिए सभी अंगों का स्वस्थ रहना बेहद आवश्यक माना जाता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक सेहत में होने वाली किसी भी प्रकार की समस्या का असर अन्य अंगों पर दिखने लगता है, इसका मतलह यह है कि तमाम अंगों में दिखने वाले असामान्य बदलाव के आधार पर सेहत का आसानी से अंदाजा लगाया जा सकता है। जिस प्रकार पेशाब के रंग में होने वाले बदलाव के आधार पर शरीर की कई बीमारियों के बारे में पता लगाया जा सकता है, उसी प्रकार से जीभ के रंग और बनावट में होने वाले बदलावों के आधार पर स्वास्थ्य समस्याओं का पता चल सकता है।स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक जीभ में होने वाले कई तरह के परिवर्तन सेहत की स्थिति के बारे में बता सकते हैं। यदि आपकी जीभ के रंग या बनावट में आसामान्य परिवर्तन दिखे तो इस बारे में सावधान हो जाएं। आइए इस लेख में जानते हैं कि जीभ में किस प्रकार के बदलावों के आधार पर सेहत में गड़बड़ी का अंदाजा लगाया जा सकता है? स्वस्थ और अस्वस्थ जीभ में क्या अंतर है?जीभ में परिवर्तन के आधार पर सेहत का अंदाजा लगाने से पहले यह जान लेना आवश्यक है कि आखिर किस तरह की जीभ को डॉक्टर स्वस्थ मानते हैं? डॉक्टरों के मुताबिक स्वस्थ जीभ आमतौर पर गुलाबी रंग की होती है, कुछ लोगों में इसके रंग हल्के या गाढ़े जरूर हो सकते हैं। वहीं यदि जीभ का रंग सामान्य गुलाबी से हटकर किसी और तरह जैसे सुर्ख लाल या पीला दिख रहा हो, या फिर किसी चीज को खाने या पीने पर जीभ में असहजता का अनुभव हो तो इसे अस्वस्थ माना जाता है। आइए आगे की स्लाइडों में जीभ में बदलावों के आधार पर संभावित बीमारियों के बारे में जानते हैं। जीभ पर सफेद रंग की परतकई लोगों की जीभ पर असामान्य तरीके की सफेद रंग की परत देखी जा सकती है। जीभ का इस तरह का सफेद रंग कई गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं की ओर संकेत हो सकता है। कई लोगों को यह समस्या कैंडिडा एल्बीकैंस कवक के कारण हो सकती है। जीभ पर सफेद रंग की परत ल्यूकोप्लाकिया नामक बीमारी का संकेत भी मानी जाती है। गंभीर मामलों में ल्यूकोप्लाकिया की समस्या मुंह के कैंसर का भी कारण बन सकती है।

कैसे जानें आपको कोरोनावायरस का संक्रमण है या नोरोवायरस का? ऐसे कर सकते हैं अंतर

दुनिया के कई देशों में कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच नोरोवायरस संक्रमण ने भी डॉक्टरों की चिंता बढ़ा दी है। इंग्लैंड में पिछले दिनों नोरोवायरस के सामने आए 154 मामलों के बाद से स्वास्थ्य संगठन अलर्ट पर हैं। नोरोवायरस को 'विंटर वामिटिंग बग' के नाम से भी जाना जाता है। नोरोवायरस, कैलिसिविरिडे फैमिली का वायरस है। यह वायरस दुनियाभर में गैस्ट्रोएंटेराइटिस प्रकोप के 50 फीसदी मामलों के लिए जिम्मेदार हो सकता है। इस बीमारी के कारण हर साल अमेरिका में करीब 70 हजार लोगों को अस्पताल में भर्ती होने की जरूरत पड़ती है, जिसमें से 700-800 लोगों की मौत हो जाती है। रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र (सीडीसी) के अनुसार दस्त, उल्टी-मतली और पेट दर्द नोरोवायरस के सामान्य लक्षण हो सकते हैं। कोरोना के नए वैरिएंट्स के लक्षण भी इससे मिलते जुलते हैं। ऐसे में लोगों के मन में सवाल हैं कि आखिर यह कैसे पता किया जा सकता है कि व्यक्ति नोरोवायरस से संक्रमित है या फिर कोरोनावायरस से? आइए आगे की स्लाइडों में विस्तार से समझने की कोशिश करते हैं कि इन दोनों संक्रमणों के लक्षणों में कैसे अंतर किया जा सकता है?

नोरोवायरस के बारे में जानिएकई पश्चिमी देशों में सर्दियों के मौसम में हर बार नोरोवायरस के मामले बढ़ जाते हैं, हालांकि डॉक्टरों का कहना है कि साल के किसी भी समय इसका संक्रमण हो सकता है। नोरोवायरस संक्रमण में पेट की आंतों में सूजन आ जाती है, जिसके कारण लोगों को कई तरह की जटिलताओं का अनुभव हो सकता है। विशेषज्ञ बताते हैं कि संक्रमित व्यक्ति के मल और उल्टी के संपर्क में आने वाले लोगों को इस संक्रमण का खतरा हो सकता है। नोरोवायरस से बचाव के लिए सभी लोगों को दूषित भोजन और पानी पीने से मना किया जाता है। ऐसे समय में लोगों को साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखना चाहिए। नोरोवायरस 60 डिग्री सेल्सियस तक के तापमान पर भी जीवित रह सकते हैं। समुद्री इलाकों में ज्यादातर लोगों में शेलफिश खाने के कारण इस संक्रमण का खतरा रहता है।

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

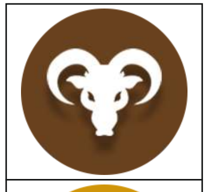
मेष : सप्ताह शुभ रहेगा। बिगड़े काम बन जाएंगे। किसी खास व्यक्ति से भेंट होगी जो आपके कार्य और संकट के समय मदद करेगा। आर्थिक मामले सुलझेंगे। परेशानियां कम होंगी पारिवारिक जीवन में सौहार्द्र बना रहेगा। स्वास्थ्य बेहतर रहेगा। संतान के कार्यो से यात्राएं करनी पड़ सकती है।

वृषभ : यात्राएं ज्यादा करनी पड़ेंगी। चाहे वह काम के सिलसिले में हो या पारिवारिक कार्यो से। मौके का लाभ उठाना सीखें। अनेक अवसर आपके सामने आएंगे लेकिन फोकस नहीं रखेंगे तो सब हाथ से फिसल जाएगा। आजीविका के साधनों में बढ़ोतरी होगी। आर्थिक समस्याओं का हल निकलेगा। पारिवारिक सहयोग बना रहेगा।

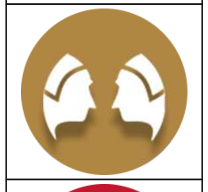
मिथुन : अपने विचारों से दूसरों को सहमत करने का प्रयास न करें, वरना टकराव होगा। जो जैसा चल रहा है, उसे चलने दें। सप्ताह में आर्थिक स्थिति मजबूत बनेगी। आय के एक से ज्यादा साधन प्राप्त रहेंगे। नौकरीपेशा को तरक्की, बिजनेस में लाभ की स्थिति बनेगी। पारिवारिक सहयोग और साथ बना रहेगा। स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव बना रहेगा।

कर्क : पारिवारिक कार्यो पर इस सप्ताह खर्च अधिक होगा। परिवार के किसी जरूरतमंद व्यक्ति का आर्थिक सहयोग करना पड़ेगा। मानसिक स्थिति पहले से बेहतर रहेगी। कार्य स्थल पर विरोध का सामना करना पड़ेगा। ध्यान रखें फोकस सिर्फ अपने काम पर रखें। नौकरी में बदलाव संभव है। पारिवारिक जीवन बेहतर रहेगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा।

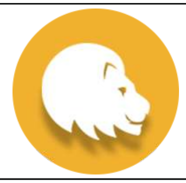
सिंह : आपके धैर्य और संयम का शुभ परिणाम मिलने वाला है। कोई बहुत बड़ा काम पूरा होने से मन प्रसन्न रहेगा। आर्थिक समस्याओं का समाधान होगा। मानसिक संकटों से छुटकारा मिलेगा। नौकरीपेशा को तरक्की, बिजनेस में लाभ। नए कार्य व्यवसाय प्रारंभ करने की स्थिति बनेगी। अवसर का लाभ उठाएं। स्वास्थ्य बेहतर रहेगा।

कन्या : पारिवारिक और सामाजिक जीवन में पूरा सहयोग मिलेगा। आर्थिक समस्याओं से छुटकारा मिलेगा। पुराना निवेश लाभ देगा। नई संपत्ति, नया वाहन आने का योग है। नौकरी की तलाश पूरी होगी। आय के एक से अधिक साधन प्राप्त रहेंगे। वैवाहिक जीवन में आ रही परेशानी कम होगी। भाई-बहनों के साथ किसी मनोरंजक यात्रा पर जा सकते हैं।

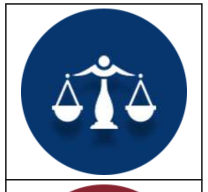
तुला : परिवार के साथ अच्छा वक्त बिताएंगे, लेकिन करीबी दोस्तों को अनदेखा न करें। रिश्तों की अहमियत को समझना होगा। किसी खास मित्र से टकराव, विवाद हो सकता है। यदि कोई रूठा है तो उसे मना लें। आर्थिक मामलों के लिए सप्ताह शुभ है। संकट का दौर खत्म होने वाला है। स्वास्थ्य बेहतर रहेगा लेकिन कार्यस्थल पर काम का बोझ बढ़ने वाला है।

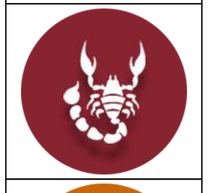
वृश्चिक : अवसर आपके सामने है लेकिन आप पहचानने में भूल कर रहे हैं। मौके का लाभ उठाना सीखें। बात-बात पर क्रोध करने की प्रवृत्ति आपको आगे बढ़ने से रोकेगी। नौकरी में बदलाव करने का सही समय है। बिजनेस में उठापटक करने या कुछ नया करने के लिए भी वक्त ठीक है। पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा। आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी।

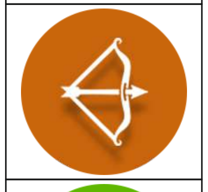
धनु : पुराने अटके हुए कार्य इस सप्ताह होने लगेंगे। भारी मानसिक तनाव वाला समय अब नहीं रहेगा। जो भी कार्य करेंगे उसमें सफलता मिलने के योग अधिक हैं। नया कार्य प्रारंभ करें, लाभ होगा। नौकरी में स्थानांतरण संभव है। किसी पुराने मित्र से भेंट होगी और वो आपको हर काम में सहयोग करेगा। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी।

मकर : तरक्की के अनेक अवसर इस सप्ताह मिलेंगे। कार्य में बदलाव संभव है। नया कार्य प्रारंभ कर सकते हैं। आर्थिक संकटों का हल निकलेगा। नया प्रॉपर्टी खरीदने के योग बनेंगे। परिवार के साथ अच्छा वक्त बिताएंगे। दांपत्य जीवन में मधुरता बनेगी। परिवार के साथ किसी यात्रा पर जा सकते हैं।

कुंभ : संकटों वाला समय अब बीत गया है। आर्थिक, पारिवारिक, सामाजिक, आजीविका सभी प्रकार से सुखद समय आ गया है। इसलिए प्रसन्न हो जाइए। परिवार को वक्त दें और उनके साथ कुछ दिन किसी मनोरंजक यात्रा पर जाएं। नौकरी में तरक्की, बिजनेस में लाभ के अवसर आएंगे। स्वास्थ्य मजबूत रहेगा। पैसों की कोई समस्या नहीं रहेगी।

मीन : अवसर आपके सामने है, मौके पर चौका मारें। रिश्तों को लेकर थोड़ी उलझन महसूस करेंगे। किसी का आपको अनदेखा करना खटकेगा। मानसिक रूप से मजबूत रहें। अपने परिवार और काम पर ध्यान दें। व्यर्थ की बातों में दिमाग लगाएंगे तो दुख ही पाएंगे। स्वास्थ्य की देखभाल ठीक से करें। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

चुटकुले

सोनू के मन में बैठे-बैठे अचनक विचार आया कि सब लोग इज्जत की रोटी कमाना चाहते हैं...
लेकिन
कोई इज्जत की सब्जी क्यों नहीं कमाना चाहता?

रात को घर का ताला खराब हो गया तो...
पत्नी ने टॉर्च पति को थमाई और खुद ताला खोलने में लग गई।
काफी समय गुजर गया, लेकिन ताला खुलने का नाम नहीं ले रहा था।
पत्नी का पारा सातवें आसमान को छूने लगा
फिर उसने टॉर्च पकड़ ली और पति को कहा कि तुम कोशिश करो।
पति ने कोशिश की और ताला झट से खुल गया।
पत्नी फिर पति पर बरस पड़ी और कहने लगी - अब पता चला... टॉर्च कैसे पकड़ते हैं?

लापरवाह लोग-दिल्ली मेट्रो में कोविड-19 नियमों की धज्जियां उड़ा रहे यात्री, प्रशासन का भी नहीं कोई डर

देश की राजधानी दिल्ली में कोरोना के मामले भले ही कम मिल रहे हों, लेकिन कोविड-19 नियमों का जमकर उल्लंघन किया जा रहा है। लोग कोविड-19 के नियमों की धज्जियां उड़ा रहे हैं। दिल्ली मेट्रो में फिलहाल 50 फीसदी क्षमता से यात्रियों को सफर करने की इजाजत है। यात्री सामजिक दूरी का पालन नहीं कर रहे हैं। इसके साथ ही कुछ लोग बिना मास्क के यात्रा कर रहे हैं। यह लापरवाही ऐसे समय में की जा रही है, जब देश में विशेषज्ञों की ओर से तीसरी लहर की चेतावनी दी गई है। सरकार द्वारा लगातार किए जा रहे प्रयासों के बावजूद लोग लापरवाह हैं। मेट्रो में नियमों का पालन करने के लिए घोषणा तो की जा रही है लेकिन लोग इसे अनसुना कर रहे हैं। मालूम हो कि लॉकडाउन से राहत के बाद दिल्ली मेट्रो में सात जून 2021 से परिचालन शुरू हुआ है। पिछले कुछ समय से मेट्रो में औसत यात्रियों की संख्या भी बढ़ी है।प्रशासन का भी नहीं कोई डरफिलहाल मेट्रो में 50 फीसदी क्षमता से यात्रियों को सफर की इजाजत है। इसके तहत मेट्रो के एक कोच में 25 यात्री सफर कर सकते हैं। लेकिन लोग एक दूसरे से ज्यादा दूर नहीं खड़े हैं। साफ देखा जा रहा है कि लोगों में प्रशासन का कोई डर नहीं है। यात्री बिना किसी खौफ के यात्रा कर रहे हैं।पूरी एहतियात बरतने की जरूरतएक ओर जहां नीति आयोग के सदस्य डॉक्टर वीके पॉल ने दिल्ली सरकार से अगले तीन महीने तक कोरोना को लेकर सतर्क रहने को कहा है। वहीं दूसरी ओर लोग इसे गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। इसको देखते हुए पूरी एहतियात बरतने की जरूरत है। ऐसे में लोगों को

बचाव के उपायों को अपनाने में भी कोई कोताही नहीं बरती जानी चाहिए। साथ ही अगली लहर को लेकर सभी सावधानी बरतनी चाहिए। वायरस में हो रहे बदलावों और अनलॉक को देखते हुए सावधान रहें और संक्रमण की रोकथाम के लिए चल रही सभी जरूरी प्रोटोकॉल का पालन करें। गाजीपुर सब्जी मंडी और तिलक नगर बाजार में भी कोविड प्रोटोकॉल का पालन नहींसिर्फ मेट्रो ही नहीं, बल्कि दिल्ली की गाजीपुर सब्जी मंडी में भी कोविड नियमों का उल्लंघन किया जा रहा है। सब्जी मंडी में लोग सामाजिक दूरी का पालन करने को तैयार नहीं है। महामारी चल रही है सभी को अपना ध्यान रखने की जरूरत है। जिला प्रशासन की ओर से जारी आदेश में तिलक नगर बाजार में कोविड प्रोटोकॉल का पालन नहीं किया जा रहा है। मार्केट एसोसिएशन और विक्रेता आम जनता से कोविड के नियमों का अच्छे से पालन नहीं करा पाए और न ही भड़ को नियंत्रित कर पाए। बाजार में उमड़ी भीड़ तेजी से कोरोना संक्रमण का कारण बन सकती है। इसलिए प्रशासन को आगे बढ़कर कड़ाई से बाजार बंद करने का निर्णय लेना पड़ा। आदेश में यह भी कहा गया है कि अगर बाजार के बंद किए गए क्षेत्र में कोई भी दुकानदार निर्देश का पालन नहीं करेगा तो उसके खिलाफ महामारी अधिनियम के उल्लंघन में सख्त कार्रवाई की जाएगी। हालांकि, इस दौरान जरूरी सेवाओं से जुड़ी सभी दुकाने खुली रहेंगी।राजधानी में मिले 58 नए संक्रमित, एक मरीज ने तोड़ा दममालूम हो कि शुक्रवार को राजधानी में 58 संक्रमित मिले और एक मरीज की मौत हो गई। इस दिन 69 मरीज स्वस्थ हुए। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक, पिछले 24 घंटों मे 67,817 नमूनों की जांच की गई है, जिनमें 0.09 फीसदी सैंपल संक्रमित मिले। कुल जांच में 43,216 आरटी-पीसीआर से और 24,601 एंटीजन से की गई। अब कुल संक्रमितों की संख्या 14,35,778 हो गई है, जिनमें से 14,10,164 स्वस्थ हो चुके हैं। कुल मौत का आंकड़ा 25,041 हो गया है।

35 महीने चलेगा किसान आंदोलन, हरियाणा सरकार की सख्ती का भी इंतजार

गुरनाम सिंह चढ़ूनी के किसान मोर्चा से अलग होने के सवाल पर टिकैत ने कहा कि मोर्चा चुनाव लड़ने के पक्ष में नहीं है।

दिल्ली-जयपुर हाईवे स्थित खेड़ा बॉर्डर पर चल रहे किसान आंदोलन में शनिवार को भारतीय किसान यूनियन के प्रवक्ता राकेश टिकैत पहुंचे। उन्होंने कहा कि सरकार अपने हठ पर अड़ी हुई है इसलिए अभी किसानों का आंदोलन अगले 35 महीने और चलेगा। सरकार शर्तों के साथ बात करना चाहती है लेकिन किसान तीनों कानूनों को रद्द करवाने से कम नहीं मानेंगे। हरियाणा सरकार की सख्ती के सवाल पर टिकैत ने कहा कि किसान हरियाणा सरकार की सख्ती का इंतजार कर रहे हैं। किसान किसी भी कीमत पर डरने वाले नहीं हैं। बॉर्डर पर किसानों की संख्या कम होने के सवाल पर टिकैत ने कहा कि रणनीति के मुताबिक ऐसा किया जा रहा है यदि सरकार हमारी शक्ति देखनी चाहती है तो एक बार बताए। दोबारा दिल्ली में 5 लाख ट्रैक्टर पहुंच जाएंगे। गुरनाम चढ़ूनी के अलग होने के सवाल पर टिकैत ने कहा कि विचार अलग होने के चलते ऐसा किया गया है। किसान मोर्चा चुनाव लड़ने के पक्ष में नहीं है, लेकिन चढ़ूनी चुनाव लड़ना चाह रहे थे। वह भी जल्दी ही साथ आ जाएंगे और उनका विचार भी बदलेगा।भाजपा सांसद मीनाक्षी लेखी द्वारा किसानों को मवाली बताने के सवाल पर कहा कि किसान महिलाओं का सम्मान करते हैं, लेकिन कुछ लोगों द्वारा ऐसा करवाया जा रहा है। किसान अपने हक की लड़ाई के लिए लड़ता रहेगा।दिल्ली में जारी है किसान संसददिल्ली में जंतर-मंतर पर 200 किसान प्रतिनिधियों की संसद में जमकर हंगामा हुआ। सरकार के पैरोकार के तौर पर बतौर कृषि मंत्री चुने गए किसान नेता रवनीत सिंह बराड़ विपक्ष के सवालों से घिरे रहे। जवाब देने में नाकाम रहने पर आखिर में उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उधर, लगातार दूसरे दिन किसान संसद में मंडी कानून पर चर्चा जारी रही।इस दौरान किसान प्रतिनिधियों ने केंद्र सरकार के कानून को सिरे से खारिज कर दिया। किसानों ने केंद्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी के बयान की भी आलोचना की है। आखिर में शाम को किसान संसद का सत्र सोमवार सुबह तक के लिए स्थगित कर दिया गया। सोमवार की किसान संसद में सिर्फ महिलाएं हिस्सा बनेंगी। 200 महिला किसान प्रतिनिधियों पर सत्र के संचालन से लेकर हर गतिविधि तक की जिम्मेदारी होगी।

बच्चों का टीका-एम्स निदेशक ने दी खुशखबरी, कहा- सितंबर तक आएगा वैक्सीन परीक्षण का परिणाम

भारत में अभी तक सिर्फ 18 वर्ष से अधिक आयु के लोगों को कोरोना की वैक्सीन लग रही है। अभी तक बच्चों को वैक्सीन लगने के बारे में कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है। हालांकि, बच्चों को वैक्सीन लगाने को लेकर एक बड़ी खबर सामने आई है। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के निदेशक डॉ. रणदीप गुलेरिया ने बताया कि देश में बच्चों के लिए बनाए जा रहे भारत बायोटेक कंपनी के कोरोना टीके कोवैक्सिन का परीक्षण जारी है। एम्स निदेशक के अनुसार बच्चों के लिए बन रही इस वैक्सीन के परीक्षण का परिणाम सितंबर तक आने की उम्मीद है।डॉ. गुलेरिया ने शनिवार (23 जुलाई) को कहा, 'बच्चों के लिए भारत बायोटेक के कोवैक्सिन परीक्षण वर्तमान में चल रहे हैं और परिणाम सितंबर तक जारी होने की उम्मीद है।'जहां संक्रमण दर कम, वहां निगरानी के साथ खुल सकते हैं स्कूलडॉ. गुलेरिया ने कहा कि पूरी निगरानी के साथ जिन इलाकों में संक्रमण दर कम है वहां स्कूल खोले जा सकते हैं। महामारी के इस दौर में कंप्यूटर और मोबाइल की उपलब्धता नहीं होने पर बहुत से बच्चों को स्कूल छोड़ना पड़ा।जायड्स कैडिला ने पूरा किया परीक्षण का पहला चरण जानकारी के अनुसार जायडस कैडिला ने 12 से 18 साल के बच्चों के लिए अपने वैक्सीन का ट्रायल पूरा कर लिया है। हालांकि,ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया (डीसीजीआई) द्वारा इसे आपातकालीन उपयोग की अनुमति देने में कुछ दिन और लगेंगे। बूस्टर डोज और इम्यूनिटी पर क्या बोले एम्स निदेशक? बूस्टर डोज के विषय पर डॉ. रणदीप गुलेरिया ने कहा कि वायरस के नए स्वरूपों से लड़ने के लिए हमें बूस्टर डोज की जरूरत पड़ सकती है क्योंकि समय के साथ इम्यूनिटी में गिरावट होगी। उन्होंने साफ किया कि बूस्टर डोज अगली पीढ़ी की दवा होगी। दूसरी पीढ़ी के ये टीके बेहतरीन इम्यूनिटी देंगे, जो वायरस के नए स्वरूपों के खिलाफ प्रभावी और असरदार होंगे। फिलहाल इन बूस्टर खुराकों का परीक्षण चल रहा है। रणदीप गुलेरिया के अनुसार

संभवत: इस साल के अंत तक बूस्टर डोज की जरूरत पड़े, लेकिन यह तभी होगा जब एक बार पूरी आबादी का टीकाकरण हो जाए।

अब बांग्लादेश जा रही ऑक्सीजन एक्सप्रेस, पड़ोसी देश में 200 मीट्रिक टन 'सांसें' लेकर पहुंचेगी ट्रेन

भारतीय रेलवे कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई में पड़ोसी देश बांग्लादेश की मदद करने के लिए ऑक्सीजन एक्सप्रेस ट्रेन से 200 टन तरल

चिकित्सकीय ऑक्सीजन की खेप रविवार को पहुंचाएगा। ऐसा पहली बार हो रहा है जब इस जीवन रक्षक गैस को देश के बाहर भेजा जा रहा है। झारखंड के टाटानगर से 10 कंटेनर वाली यह ट्रेन शनिवार को रवाना हुई और इसके कल बांग्लादेश के बेनापोल पहुंचने की संभावना है। रेलवे ने बताया कि टाटानगर से 200 मीट्रिक टन तरल ऑक्सीजन की खेप लेकर ऑक्सजीन एक्सप्रेस पहली बार बांग्लादेश रवाना हुई। इसके कल सुबह पहुंचने की संभावना है। बता दें कि इससे पहले भारत में दूसरी लहर के दौरान ऑक्सीजन को लेकर हांहाकार मचा हुआ था। भारत में महामारी की दूसरी लहर के दौरान राज्यों में ऑक्सीजन की कमी को दूर करने के लिए रेलवे ने ऑक्सीजन एक्सप्रेस का परिचालन शुरू किया था। रेलवे 24 अप्रैल, 2021 को इस अभियान की शुरुआत के बाद से अब तक 480 ऐसी ट्रेनों का परिचालन कर चुका है और देश के अलग-अलग हिस्सों में 38,841 टन ऑक्सीजन पहुंचा चुका है।

20 लाख रुपये के लेन-देन में दंराती से गर्दन काटकर कारोबारी और उनके दोस्त की हत्या

नई दिल्ली, वजीरपुर इंडस्ट्रियल एरिया की एक फैक्ट्री में गुरुवार रात एक बिजनेसमैन और उनके दोस्त की दरांती से गर्दन काटकर हत्या कर दी गई। दोनों के शव अलग-अलग बोरे में बंद मिले। इनमें से बिजनेसमैन का शव फैक्ट्री में और इनके दोस्त का शव नॉर्थ दिल्ली के वजीराबाद इलाके में फॉर्च्यूनर कार में मिला। मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें से मुख्य आरोपी बर्तन बनाने वाली फैक्ट्री का मालिक है। वारदात को इसी फैक्ट्री में अंजाम दिया गया, जबकि दो आरोपी इसके वर्कर हैं। पुलिस का कहना है कि डबल मर्डर की यह वारदात 20 लाख रूपये के लेन-देन को लेकर की गई। मामले में नॉर्थ-वेस्ट दिल्ली की डीसीपी उषा रंगनानी ने बताया कि मृतकों के नाम सुरेंद्र गुप्ता (36) और इनके दोस्त अमित गोयल (35) हैं। दोनों रोहिणी इलाके के रहने वाले थे। सुरेंद्र बवाना में केमिकल का काम करते थे। इनका यहां एक गोदाम भी है। बताया जाता है कि पिछले कुछ समय से सुरेंद्र ने भी वजीरपुर इंडस्ट्रियल एरिया में बर्तनों की फैक्ट्री लगाई थी।

जम्मू-कश्मीर-सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़, दो दहशतगर्दों का खात्मा, तीन जवान घायल

बांदीपोरा के सुंबलर इलाके के शोकबाबा जंगल में मुठभेड़ चल रही है। सुरक्षाबलों की संयुक्त टीम इस ऑपरेशन को अंजाम दे रही है।

जम्मू-कश्मीर में शनिवार को सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई है। सुरक्षाबलों की संयुक्त टीम इस ऑपरेशन को अंजाम दे रही है। दो आतंकियों के मारे जाने की खबर है। हालांकि दोनों की अभी शिनाख्त नहीं हुई है। मुठभेड़ में तीन घायल हुए हैं, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया है। फिलहाल ऑपरेशन जारी है।सूत्रों ने बताया कि बांदीपोरा के सोकबाबा वन क्षेत्र में आतंकवादियों की मौजूदगी की विशेष सूचना मिलने पर बांदीपोरा पुलिस, सेना की 13 व 14 आरआर(राष्ट्रीय राइफल्स) और सीआरपीएफ की संयुक्त टीम ने तलाशी अभियान चलाया। घेरा सख्त होता देख आतंकियों ने फायरिंग शुरु कर दी।इसके बाद जवानों ने मोर्चा संभाला। साथ ही आतंकियों को आत्मसमर्पण का मौका भी दिया, लेकिन आतंकी गोलियां बरसाते रहे। परिणामस्वरूप सुरक्षाबलों ने दो आतंकियों को ढेर कर दिया। हालांकि इस मुठभेड़ में तीन जवान घायल हो गए हैं। एक अधिकारी ने आगे कहा कि आज सुबह जैसे ही सुरक्षाबल संदिग्ध स्थान की ओर बढ़ रहे थे, छिपे हुए आतंकवादियों ने उन पर गोलियां चला दीं जिससे मुठभेड़ शुरू हो गई।इससे पहले शुक्रवार को उत्तरी कश्मीर के बारामुला जिले के सोपोर में रात भर चली मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने लश्कर के कमांडर समेत दो आतंकियों को मार गिराया। इनके पास से दो एके 56 राइफल, चार मैगजीन, 136 कारतूस व दो बैग बरामद हुए हैं। दोनों आतंकी स्थानीय थे। जम्मू-कश्मीर पुलिस को वीरवार को सोपोर के वारपोरा में गुरुवार देर रात आतंकियों के मौजूद होने की सूचना मिली थी। इसके आधार पर सोपोर पुलिस, एसओजी और सेना की 22 राष्ट्रीय राइफल्स व सीआरपीएफ की संयुक्त टीम ने इलाके की घेराबंदी कर बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चलाया गया। घर-घर तलाशी के दौरान एक मकान में छिपे आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि सुरक्षाबलों ने कई बार आतंकियों को आत्मसमर्पण करने का मौका दिया, लेकिन दहशतगर्द नहीं माने और जवानों पर फायरिंग की। जवाबी कार्रवाई में लश्कर कमांडर समेत दो आतंकियों को मार गिराया गया। मारे गए आतंकियों की शिनाख्त वारपोरा के फयाज अहमद वार उर्फ उमर और चेरपोरा बडगाम के शाहीन अहमद मीर उर्फ शाहीन मौलवी के तौर पर हुई है। दोनों आतंकी कई घटनाओं को अंजाम दे चुके थे। फय्याज लश्कर का कमांडर था और उसका लंबा-चौड़ा आपराधिक रिकॉर्ड है। वो 2008 में आतंकवाद में शामिल हुआ था। हालांकि, उसने हथियार समेत सरेंडर भी किया था, लेकिन रिहा होने के बाद वो हिजबुल के साथ काम करने लगा और एक बार फिर से उसे पीएसए के तहत गिरफ्तार किया गया। मार्च 2020 में रिलीज होने के बाद वो लश्कर में शामिल हुआ।

जाति आधारित जनगणना पर सीएम नीतीश ने तोड़ी चुप्पी, बोले- इससे ज्यादा मिलेगा योजनाओं का लाभ

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जाति आधारित जनगणना कराने को एक बार फिर समर्थन किया है। नीतीश कुमार ने कहा कि उन्होंने पहले ही सदन में इस पर अपना विचार रख चुके हैं। फरवरी 2019 और 2020 में जाति आधारित जनगणना के बारे में विधानसभा में सरकार अपनी सोच रख चुकी है।

जाति आधारित जनगणना एक बार जरूर होनी चाहिए- नीतीश कुमारपटना में सीएनजी बसों को रवाना करने के बाद मुख्यमंत्री नीतीश ने ट्वीट "हम लोगों का मानना है कि जाति आधारित जनगणना होनी चाहिए। बिहार विधान मंडल ने 18 फरवरी 2019 एवं पुन: 27 फरवरी 2020 को सर्वसम्मति से इस आशय का प्रस्ताव पारित किया था और इस प्रस्ताव को केन्द्र सरकार को भेजा गया था। केन्द्र सरकार को इस मुद्दे पर पुनर्विचार करना चाहिए।पिछड़ों की गिनती क्यों नहीं हो सकती- गौसवहीं प्रदेश जदयू उपाध्यक्ष व बिहार विधान परिषद के सदस्य प्रो. गुलाम गौस ने भी केंद्र सरकार से जातीय जनगणना की उपेक्षा नहीं करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि इससे जनता में गलत संदेश जाएगा। पिछड़ी जातियों में भ्रम की स्थिति पैदा होगी।

गौस ने कहा कि अगर देश में किन्नरों की जनगणना हो सकती है तो पिछड़ों की गिनती क्यों नहीं हो सकती है। तेजस्वी यादव ने केंद्र पर साधा निशानानेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने भी राज्य में जातिगत जनगणना का मुद्दा उठाया। तेजस्वी यादव ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा को पिछड़े और अतिपिछड़े वर्गों से इतनी नफरत क्यों है।

उन्होंने कहा कि जब तक पिछड़े वर्गों की वास्तविक संख्या पता नहीं चलेगी तब तक उनके फायदे की योजनाएं कैसे बनेगी।

वनडे के बाद अब टी-20 की बारी, इन 11 खिलाड़ियों के साथ उतर सकती है टीम इंडिया

भारत और श्रीलंका के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज समाप्त हो चुकी है।

आखिरी वनडे में श्रीलंका की जीत के बावजूद भारत ने सीरीज 2-1 से अपने नाम की। वनडे के बाद अब दोनों टीमें टी-20 सीरीज में आमने-सामने होंगी। साल के अंत में होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप से पहले ये सीरीज दोनों टीमों के लिए खिलाड़ियों के चयन के लिहाज से अहम होगी। ऐसे में रविवार से शुरू होने वाली टी-20 सीरीज के पहले मैच में भारतीय टीम कुछ और नए चेहरों को मौका दे सकती है।

आइए जानते हैं कि कैसी हो सकती है भारत की संभावित एकादश।

सलामी बल्लेबाज:टीम में अगर कुछ बदलाव नहीं हुआ तो कप्तान शिखर धवन इस मैच में भी पृथ्वी शॉ के साथ पारी की शुरुआत कर सकते हैं।

दोनों की जोड़ी ने वनडे सीरीज में भी बेहतर प्रदर्शन किया था। ऐसी भी संभावना है कि फॉर्म में चल रहे देवदत्त पडीक्कल को डेब्यू का मौका दिया जाए और उनसे पारी की शुरुआत कराई जाए।

मध्यक्रम:कुछ खिलाड़ियों को छोड़ दें तो भारतीय टीम का मिडिल आर्डर वनडे सीरीज में कुछ खास असरदार नहीं रहा है। ऐसे में यहां कुछ बदलाव संभव है। मनीष पांडे की जगह नितीश राणा को एक और मौका मिल सकता है।

सूर्यकुमार यादव अपने स्थान पर बने रह सकते हैं।

विकेटकीपर/ऑलराउंडरईशान किशन और संजू सैमसन दोनों ने ही विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर अच्छा प्रदर्शन किया है।

ऐसे में ये देखना दिलचस्प होगा कि किस खिलाड़ी को पहले मैच में मौका मिलता है।

वहीं ऑलराउंडर की बात करें तो हार्दिक पांड्या ने वनडे सीरीज में गेंद और बल्ले दोनों से निराश किया है।

इस तरह से उनपर भी तलवार लटकी रहेगी।

इनके अलावा क्रुणाल पांड्या की वापसी भी हो सकती है।

गेंदबाज:

आखिरी वनडे में शानदार प्रदर्शन करने वाले राहुल चाहर और चेतन साकरिया पर टीम फिर से भरोसा कर सकती है। वहीं वरुण चक्रवर्ती को यहां डेब्यू का मौका मिल सकता है।

इनके अलावा दीपक चाहर और भुवनेश्वर कुमार की वापसी हो सकती है।

संभावित एकादश:

शिखर धवन (कप्तान), पृथ्वी शॉ/देवदत्त पडीक्कल, संजू सैमसन (विकेटकीपर), सूर्यकुमार यादव, नितीश राणा, क्रुणाल पांड्या, राहुल चाहर, वरुण चक्रवर्ती, चेतन साकरिया, दीपक चाहर, भुवनेश्वर कुमार

बायो-बबल में कोरोना की एंट्री

वेस्टइंडीज-ऑस्ट्रेलिया दूसरा वनडे स्थगित

वेस्टइंडीज और ऑस्ट्रेलिया के बीच दूसरा वनडे मैच 22 जुलाई को बारबाडोस के ब्रिजटाउन मे खेला जाना था। लेकिन कोरोना वायरस की एंट्री के चलते इस मुकाबले को शुरू होने से चंद मिनट पहले स्थगित करने का फैसला लिया गया। वेस्टइंडीज टीम के एक स्टाफ सदस्य के कोरोना संक्रमित पाए जाने के बाद इस दूसरे मुकाबले को स्थगित करने का फैसला लिया गया। वेस्टइंडीज और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेले जाने वाले वनडे मैच को सस्पेंड कर दिया गया है इसकी सूचना मैच में टॉस होने के बाद दी गई। इसके बाद दोनों टीमें अपने-अपने ड्रेसिंग रूम लौट गईं। विंडीज क्रिकेट बोर्ड के मुताबिक, यह मैच दोबारा कब खेला जाएगा इसका निर्णय सभी सदस्यों की जांच होने के बाद ही पता चलेगा। वेस्टइंडीज क्रिकेट की तरफ से जारी बयान में कहा गया, वेस्टइंडीज और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेले जाने वाले दूसरे वनडे को स्थगित कर दिया गया है, क्योंकि विंडीज टीम के नॉन प्लेइंग इलेवन का सदस्य कोविड-19 संक्रमित आया है। यह फैसला टॉस के बाद किया गया उसी में टेस्ट का भी नतीजा आया था। कोरोना प्रोटोकॉल को ध्यान में रखते हुए इस मैच को स्थगित करने का फैसला किया गया है। बोर्ड ने बयान में आगे कहा, दोनों टीमों के सभी सदस्य और मैच अधिकारी आराम करेंगे, मैच दोबारा कब खेला जाएगा इस पर बाद में फैसला लिया जाएगा जब सबके कोरोना जांच के नतीजे आ जाएंगे। इस दूसरे मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया की तरफ राइली मेरेडिथ अपने एकदिवसीय करियर का आगाज करने वाले थे।

जब दोनों टीमें अपने-अपने ड्रेसिंग रूम लौटीं। उनके वनडे डेब्यू को देखते हुए चोटिल कप्तान आरोन फिंच ने उन्हें कैप दी थी। इससे पहले इस मैदान पर खेले गए सीरीज के पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज पर एकतरफा जीत दर्ज की था। उस मुकाबले में कंगारू टीम ने विंडीज को डकवर्थ/लुइस नियम के आधार पर 133 रनों से हराया था।

राहुल-जडेजा की दमदार पारी, भारत-काउंटी इलेवन के बीच अभ्यास मैच ड्रॉ

भारत और सिलेक्ट काउंटी इलेवन के बीच खेला गया अभ्यास मैच ड्रॉ रहा। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने पहली पारी में केएल राहुल (101) और रविंद्र जडेजा (75) के दम पर 311 रन बनाए। जवाब में काउंटी इलेवन की टीम 220 रन पर ही सिमट गई। वहीं, दूसरी पारी में भारतीय टीम ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा (51) के दम पर 192/3 पर पारी घोषित की और जीत के लिए काउंटी इलेवन को 284 रन का लक्ष्य दिया। बता दें कि जडेजा रिटायर आउट हो गए। वहीं, आखिरी दिन का खेल खत्म होने तक मेजबान टीम बिना किसी नुकासन के 31 रन बना लिए थे। मगर मैच को ड्रॉ कर दिया गया। काउंटी इलेवनकी तरफ से पहली पारी में हसीब हमीद ने 112 रन की शतकीय पारी खेली। वहीं, भारत की तरफ से पहली पारी में उमेश यादव ने 22 रन देकर सर्वाधिक तीन विकेट चटकाए जबकि मोहम्मद सिराज ने 32 रन देक दो विकेट झटके।अभ्यास मैच में आवेश-वाशिंगटन चोटिल, इंग्लैंड सीरीज से बाहरभारतीय युवा तेज गेंदबाज आवेश खान बाएं अंगूठे में चोट के कारण अभ्यास मैच से बाहर हो गए। मंगलवार को पहले दिन लंच के बाद के सत्र में अपने 10वें ओवर की पांचवीं गेंद पर आवेश को चोट लगी थी। वह हनुमा विहारी के शॉट को रोक रहे थे। गेंद लगने के बाद वह काफी दर्द में दिख रहे थे और तुरंत उन्हें चिकित्सा मदद की गई। वहीं, मैच के दूसरे दिन मोहम्मद सिराज की गेंद पर वाशिंगटन की उंगली में फ्रेक्चर हो गया, जिसके कारणवह भी मैच के अलावा आगामी टेस्ट सीरीज से भी बाहर हो गए। बीसीसीआई के एक सीनियर अधिकारी ने गोपनीयता की शर्त पर बताया, 'हां, वाशिंगटन की अंगुली में भी आवेश की तरह फ्रैक्चर है। आवेश के अंगूठे की हड्डी अपनी जगह से खिसक गई है।

चीनी एजुकेशन कंपनियों के गिरे शेयर-क्या तबाह हो जाएगी चीन की ट्यूशन और कोचिंग इंडस्ट्री, ये है वजह

न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज में लिस्टेड तीन बड़ी चीनी एजुकेशन कंपनियों के साझा शेयर भाव में शुक्रवार को 16 अरब डॉलर की रिकॉर्ड गिरावट आई। ऐसा एक दस्तावेज लीक होने की वजह से हुआ, जिसमें अंदेशा जताया गया है कि चीन सरकार चीन की शैक्षिक कंपनियों के मुनाफा कमाने पर रोक लगा सकती है। वह दस्तावेज 19 जुलाई का है। ब्रिटिश अखबार द फाइनेंशियल टाइम्स में छपी एक रिपोर्ट के मुताबिक उस दस्तावेज में कहा गया है कि जो कंपनियां घरों में बच्चों को शिक्षा देने या ऑफ कैंपस शिक्षा के क्षेत्र में काम कर रही हैं, उन्हें खुद को नॉन-प्रोफिट श्रेणी में रजिस्टर्ड कराना होगा। साथ ही स्थानीय अधिकारी ऐसी किसी नई कंपनी को मंजूरी नहीं दे सकेंगे।विश्लेषकों का कहना है कि अगर इस प्रस्ताव को कानून का रूप दे दिया गया, तो उससे चीन के सबसे तेजी से बढ़ रहे एक कारोबार को भारी नुकसान होगा। चीन में हाल के वर्षों में स्कूल के बाहर बच्चों को पढ़ाने और यूनिवर्सिटी में दाखिला दिलाने के मकसद से कोचिंग करने वाली कंपनियों का कारोबार तेजी से बढ़ा है।

न्यूयॉर्क में जिन कंपनियों के शेयरों के भाव तेजी से गिरे, उनमें टीएएल एजुकेशन, गाओतू टेकएडु और न्यू ओरिएंटल एजुकेशन शामिल हैं। न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज में उनका साझा बाजार मूल्य पहले 26 अरब डॉलर था। शुक्रवार को उनके भाव में बाजार खुलने से पहले के कारोबार में 60 फीसदी की गिरावट आ गई।टीएएल एजुकेशन चीन की सबसे बड़ी शिक्षा कंपनी है। उसके चीन के 102 शहरों में 990 कोचिंग सेंटर हैं, जिनमें 45 हजार से ज्यादा कर्मचारी काम करते हैं। जानकारों के मुताबिक चीन सरकार ने अगर ये कार्रवाई की तो अमेरिका या हांगकांग के स्टॉक एक्सचेंज में खुद को रजिस्टर कराने की शिक्षा क्षेत्र की दो चीनी कंपनियों युवांगफुदाओ और जुओयेबांग की उम्मीदों पर पानी फिर जाएगा।पर्यवेक्षकों के मुताबिक चीन में आमदनी बढ़ने के साथ-साथ परिवारों में अपने बच्चों को महंगे स्कूलों में पढ़ाने का शौक बढ़ा है। साथ ही वे अपने बच्चों को प्रोफेशनल कॉलेजों में भेजना चाहते हैं। इसके लिए बच्चों को कोचिंग कराने का चलन बढ़ा है। यह चलन भी बढ़ा है कि लोग एक ही बच्चा रखते हैं, ताकि उसको ठीक से शिक्षा दे सकें। चीन के हाइदान शहर के निवासी डेविड यंग ने द फाइनेंशियल टाइम्स से कहा- 'अच्छी शिक्षा ही सामाजिक सीढ़ी चढ़ने में सबसे ज्यादा मददगार बनती है। इसलिए जब अपनी बच्ची की पढ़ाई पर खर्च करने की बात आती है, तो मैं उस बारे में ज्यादा नहीं सोचता।' यांग ने हाल ही में अपनी 12 साल की बच्ची का दाखिला एक प्राइवेट स्कूल मे कराया है।लेकिन चीन सरकार की राय बनी है कि ट्यूशन और कोचिंग के कारण के बच्चों से जरूरत से ज्यादा मेहनत कराई जा रही है। साथ ही माता-पिता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। उसके अलावा महंगे स्कूलों, ट्यूशन और कोचिंग से शिक्षा के मामले में देश में गैर-बराबरी भी बढ़ी है।

ग्रीस में टीकाकरण की राह में एक बड़ी रुकावट बन रहा है चर्च, चर्चित वेबसाइट ने किया दावा

ग्रीस में वैक्सीन के खिलाफ धार्मिक ईसाई सड़कों पर हैं। ग्रीस में चर्च बहुत प्रभावशाली है। कई चर्च वहां लॉकडाउन, सोशल डिस्टेंसिंग और टीकाकरण के विरोधी रहे हैं। राजधानी एथेंस के एक प्रमुख गिरिजाघर सेंट निकोलस चर्च के प्रवेश द्वार पर ये सूचना लिख कर टांगी गई है- 'चर्च यहां आने वाले लोगों की निगरानी करने की इजाजत देने से इनकार करता है। धर्मावलंबियों के व्यक्तित्व का यहां सम्मान किया जाता है।'वेबसाइट पॉलिटिको.ईयू में छपी एक रिपोर्ट के मुताबिक चर्च के भीतर मास्क पहने लोगों को अंगुलियों पर गिना जा सकता है। यहां के मुख्य पादरी वेसिलियोस वोलोदाकिस ने पिछले रविवार को अपने उपदेश के दौरान सरकार और डॉक्टरों की कड़ी आलोचना की थी। उन्होंने कहा था- 'वे चर्च के साथ वैसा ही सलूक करना चाहते हैं, जैसा वे जिम के साथ करते हैं। लेकिन हम मानते हैं कि हम यह स्वर्ग में हैं। वैज्ञानिक कई बातों की व्याख्या नहीं कर सकते। इसलिए वे उन पर परदा डाल देते हैं।'वोदोदाकिस जैसी बातें ग्रीस के कई दूसरें शहरों में भी ऑर्थोडॉक्स चर्च के नेताओं ने कही हैं। कई पादरियों ने यह भी कहा है कि जिन लोगों ने टीका लगवाया है, वे आखिरकार इसके लिए पछताएंगे। ग्रीस में कोरोना महामारी के कारण लगाए गए लॉकडाउन के खिलाफ सड़कों पर प्रदर्शन हुए थे। टीकाकरण को लेकर भी वहां आबादी एक

हिस्से में तीखा विरोध है। एक चर्च में पहुंची मध्य आयु की महिला मारिया ने वेबसाइट पॉलिटिको से कहा- 'हम मानव अधिकारों की रक्षा के लिए खड़े हैं। इन अधिकारियों का अनुमोदन ईसाई धर्म ने भी किया है। ईश्वर हमें इस बात के लिए मजबूर नहीं करते कि हम उनकी आराधना करें। जबकि टीकाकरण के समर्थक लोगों को मजबूर कर रहे हैं।'चर्च के नेतृत्व ने अपने आधिकारिक रुख में टीकाकरण का समर्थन किया है। ग्रीक ऑर्थोडॉक्स चर्च के प्रमुख आर्चबिशप इरोनिमॉस पिछले साल नवंबर में खुद कोरोना संक्रमित हुए थे। इस कारण उन्हें कई दिनों तक अस्पताल में रहना पड़ा। पिछले 12 मई को उन्होंने टीकाकरण के पक्ष में बयान जारी किया था। इसके बावजूद कई दूसरे प्रभावशाली आर्चबिशप और पादरी टीकाकरण के खिलाफ बने हुए हैं। कुछ चर्च में तो उन लोगों के वहां आने पर रोक लगा दी गई है, जो मास्क पहने हों या जिन्होंने टीका लगवा लिया हो। ये हाल तब है, जब देश में एक बार फिर से कोरोना वायरस के डेल्टा वैरिएंट के कारण संक्रमण के मामले बढ़ रहे हैं। जून में रोजाना संक्रमित होने वाले लोगों की औसत संख्या 400 थी। लेकिन अब ये 2,700 हो गई है। देश की 44 फीसदी आबादी का अब तक पूरा टीकाकरण हुआ है। यह यूरोपियन यूनियन के औसत से ज्यादा है।

अफगानिस्तान में बिगड़ रहे हालात, भारतीय दूतावास ने अपने नागरिकों के लिए जारी की एडवाइजरी

अफगानिस्तान में अमेरिकी सैनिकों के जाने की वजह से तालिबान का प्रभुत्व बढ़ता जा रहा है। तालिबानी आतंकियों का दावा है कि उसके संगठन ने अफगानिस्तान के अधिकांश हिस्से पर कब्जा कर लिया जिसके कारण यहां रहने वाले लोगों के लिए संकट की स्थिति पैदा हो गई है। वहीं इस बीच देश में उत्पन्न खतरनाक स्थिति को देखते हुए भारतीय दूतावास ने अपने नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी की है। इसके तहत अफगानिस्तान में रहने, आने और काम करने वाले भारतीयों को हर समय अत्यधिक सतर्कता बरतने और सभी गैर-जरूरी यात्रा से बचने के लिए कहा गया है। दूतावास ने कहा है कि अफगानिस्तान में सुरक्षा की स्थिति अभी खतरनाक बनी हुई है।अफगानिस्तान के कंधार प्रांत में 100 लोगों की हत्याअफगानिस्तान के कंधार प्रांत के स्पिन बोल्डक जिले में कथित तौर पर 100 लोगों की बड़ी ही बेरहमी से हत्या कर दी गई। अफगानिस्तान का गृह मंत्रालय हिंसा व हत्याओं की इन घटनाओं के लिए तालिबान को जिम्मेदार मान रहा है। इससे पहले कहा जा रहा था कि तालिबान ने अफगानिस्तान के 90 फीसद

बॉर्डर इलाकों पर अपना कब्जा कर लिया है। पिछले हफ्ते तालिबान ने स्पिन बोल्डर जिले पर भी हमला किया था।

एक्टर हुमा कुरेशी ने "डीपी रिटेल " के पहले भव्य स्टोर का किया उद्‌घाटन

मुम्बई, 22 जुलाई, 2021: मुम्बई जैसे तमाम महानगरों में उपभोक्तावाद के बढ़ते चलन को देखते हुए डार्विन प्लेटफॉर्म ग्रुप ऑफ़ कंपनीज (DPGC) की सहायक कंपनी डीपी रिटेल ने आधिकारिक तौर पर रिटेल क्षेत्र में उतरने का ऐलान किया. इसी के साथ डीपी रीटेल ने मुम्बई के डीएन नगर, अंधेरी (पश्चिम स्थित) , में एक भव्य स्टोर का उद्घाटन भी किया. उल्लेखनीय है कि डीपी रीटेल के इस भव्य स्टोर का उद्घाटन बॉलीवुड की जानी-मानी अभिनेत्री हुमा कुरैशी ने किया. उल्लेखनीय है कि कंपनी की ओर से जल्द ही भांडुप, गोरेगांव, जोगेश्वरी, सायन और वर्ली इलाकों में भी अपने स्टोर खोले जाएंगे.डीपी रिटेल का अंधेरी स्थित पहला स्टोर 25,000 वर्ग फुट में पसरा है. यहां पर राष्ट्रीय, क्षेत्रीय स्थानीय स्तर के और निजी लेबल के गुणवत्तापूर्ण ब्रांड किफायती दामों व प्रमोशन स्कीमों के साथ उपलब्ध होंगे. उल्लेखनीय है कि डीपी रिटेल का लक्ष्य अगले कुछ सालों में 50 लाख वर्गफुट क्षेत्र को अधिग्रहित कर देशभर में अपनी विशेष मौजूदगी दर्ज कराना है. उद्घाटन समारोह के बाद में मीडिया से बात करते हुए डीपीजीसी के ग्रुप सीईओ राजा रॉय चौधरी ने कहा, "रिटेल के क्षेत्र में विश्व में भारत का स्थान पांचवां है. डीपी रीटेल के जरिए हम देशभर में उपभोक्ताओं की बढ़ती मांग को पूरा करने में सक्षम साबित होंगे. आज डीपी रिटेल का पूरी तरह से स्व-अधिकार वाला पहला एक्सक्लूसिव मेगा-स्टोर का उद्घाटन किया गया जो 2500 वर्ग फुट में फैला हुआ है. शहर में खोले जाने वाले अन्य 5-6 स्टोर्स का वर्गफल 500-600 वर्ग फुट होगा. उल्लेखनीय है कि अगले कुछ सालों में हमारा लक्ष्य देशभर में 50 लाख वर्ग फुट जगह को अधिग्रहित कर अपनी मौजूदगी दर्ज कराना है.

डीपी रिटेल स्टोर का उद्घाटन करते हुए बेहद खुश नजर आ रहीं अभिनेत्री हुमा कुरेशी ने कहा, "मुंबई में डीपीजीसी के पहले मेगा स्टोर का उद्घाटन करना मेरे लिए बेहद सम्मान की बात है. यकीनन इस स्टोर में ग्राहकों को खरीदारी का अनूठा अनुभव हासिल होगा. मुझे पूरा विश्वास है कि डीपी रिटेल अपने सुदृढ़ नेटवर्क के माध्यम से सूक्ष्म एवं लघु उद्योगों से गुणवत्तापूर्ण संसाधन हासिल कर ग्राहकों को बढ़िया किस्म की सेवाएं प्रदान करेगा. इतना ही नही, कंपनी का बिजनेस मॉडल 'मेक इन इंडिया' और 'वोकल फॉर लोकल' अभियानों के आधार पर तैयार किया गया है."

डीपी रीटेल की योजना वित्तीय वर्ष 2021 में भारत के कई शहरों में 1000 करोड़ रुपये का निवेश करने की है. तमाम किस्म के रीटेल बिजनेस में अपनी जगह बनाने के उद्देश्य से और बाजार में अपनी पैठ बनाने के लिए कंपनी की ओर से विशेष तौर से 100 करोड़ रुपये के बजट का प्रावधान किया गया है. इसमें नवीनतम फ्रेंचाइस मॉडल का भी समावेश है.

उन्होंने इस संदर्भ में कहा, "हाल ही में हमने लोगों को रोजगार मुहैया कराने के लिए एक भव्य रोजगार योजना की शुरुआत की है. हमारा लक्ष्य अगले 2-3 सालों में 1.25 लोगों को रोजगार मुहैया कराना है. हमारी महत्वाकांक्षी योजना है कि हम देश भर में कुल 40 लाख लोगों को रोजगार उपलब्ध कराएं और इसमें DP रीटेल की हिस्सेदारी सबसे बड़ी होगी."

डीपी रिटेल अपनी सुदृढ़ ख़रीद नीति के तहत स्थानीय उत्पादनकर्ताओं, व्यापारियों, निर्माताओं और लोगों के कौशल विकास को बढ़ावा देगा ताकि उनके प्रभाव क्षेत्र में इज़ाफ़ा हो उन्हें अपने उत्पादों और सेवाओं के लिए श्रेष्ठ कीमत हासिल हों.

कंपनी के ग्रुप सीईओ ने इसपर अपने विचारों को व्यक्त करते हुए कहा, "हमारी यह नीति 'वोकल फॉर लोकल' और 'आत्मनिर्भर भारत' को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभाएगी. हम हर महीने में एक मिलियन (10 लाख) उत्पादन, प्रोसेसिंग और पैकेजिंग क्षमता वाले मैन्युफैक्चरिंग यूनिट की स्थापना करेंगे जिससे DP की सप्लाई चेन सुदृढ़ साबित हो. कंपनी का इतिहास रहा है कि वो शुरुआती दौर में भारी छूट देकर उपभोक्ताओं का दिल जीत लेती है और इस बार भी कंपनी कुछ इसी तरह की नीति अपनाएगी जो उसके पक्ष में काम करेगी."

डीपी रिटेल फैशन को छोड़कर फ़ूड, स्वास्थ्य, वेलनेस जैसे अन्य क्षेत्रों में अपनी देशव्यापी मौजूदगी दर्ज़ कराने के लिए आतुर है. पारंपारिक भारतीय उत्पादों व मूल्यों पर भी कंपनी की ओर से विशेष लक्ष्य केंद्रित किया जाएगा. कीमतों, मार्केटिंग, खरीद नीति, सोर्सिंग, मर्केंडाइजिंग और नवीनतम टेक्नोलॉजी को अपनाना कंपनी द्वारा संचालित किए जाने वाले कारोबार की अहम नीतियों में शामिल है. देशभर में अपने स्टोर्स की स्थापना के ज़रिए कंपनी आर्थिक विकास और रोज़गार के निर्माण की श्रृंखला तैयार करेगी.

उल्लेखनीय है कि अब मुम्बई में रहनेवाला कोई भी शख़्स देश के किसी भी हिस्से से ताल्लुक रखनेवाले पारंपारिक भोजन का लुत्फ़ उठा सकता है. इन स्टोर्स में सभी ब्रांड के ड्राय फ्रूट, स्वास्थ्य व खाने संबंधी उत्पाद और अन्य स्थानीय उत्पाद भी उपलब्ध होंगे.

डीपीजीसी के बारे में:

डीपीजीसी की स्थापना 1996 में की गई थी जो 6.4 बिलियन डॉलर मूल्य की कंपनी है और इससे 25 सहयोगी कंपनियां जुड़ी हुईं हैं. पिछले कुछ सालों में कंपनी ने डार्विन प्लेटफॉर्म कैपिटल, डार्विन प्लेटफॉर्म होल्डिंग और डार्विन प्लेटफॉर्म इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ मिलकर विभिन्न सेक्टरों में उल्लेखनीय प्रगति की है. इनके अलावा, इस समूह के मातहत काम करनेवाली सहायक कंपनियां बैंकिंग, स्वास्थ्य, उड्डयन, रिएलिटी, एनर्जी, मास मीडिया और आईटी जैसे सेक्टरों में भी अपना दखल रखती हैं नवीनतम किस्म के बिज़नेस मॉडल को अपनाते हुए यह समूह अब रीटेल और डिफ़ेन्स प्रोडक्शन सेक्टर में भी प्रवेश कर गया है. उल्लेखनीय है कि इस कंपनी की ओर से गुणवत्ता, कीमत, उपलब्धता, मार्केटिंग, सोर्सिंग, मर्केंडाइज़िंग के स्तर पर नवीनता का विशेष ख़्याल रखा जाएगा और यही उसकी विशेष पहचान भी होगी. देश के लिए सबसे बड़े स्तर पर रोज़गार पैदा करनेवाली इस योजना का मक़सद रोज़गार और संपत्ति के अवसरों को बढ़ाते हुए एक मज़बूत मुल्क का निर्माण करना है.

शुरुआत में डीपीजीसी देश भर में अपने साथ जुड़े सभी 1.25 बिज़नेस एसोसिएट्स को हर महीने 15000-20000 रुपये का मासिक वेतन दर देगा. इस समूह का लक्ष्य देश के सभी 28 राज्यों और दिल्ली, चंडीगढ़ जैसे केंद्र शासित प्रदेशों में 1.25 लाख लोगों के लिए रोज़गार अथवा आय उत्पन्न करने के अवसरों का निर्माण करने में अहम भूमिका निभाना है.अगले कुल सालों में डीपी रियलिटी 50 लाख वर्ग फुट क्षेत्र को अधिग्रहित कर देश भर मे अपनी मौजूदगी दर्ज कराएगी

डीपी रीटेल का लक्ष्य अगले 2-3 सालों में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष तौर पर 1.25 लाख लोगों को रोजगार मुहैया कराना है

निर्माता निर्देशक जयविंद्र सिंह भाटी 2 बेहतरीन फिल्में बना रहे हैं.

बॉलीवुड फिल्मों के निर्माता जयविंद्र सिंह भाटी की अब तक 4 फिल्में रिलीज हो चुकी हैं। सबसे पहले 2014 में "हम हैं तीन खुराफाती" उन्होंने बनाई थी, फिर 2017 में "इश्क का मंजन", 2018 में "व्हेन ओबामा लव्ड ओसामा" और 2019 में उनकी फिल्म रीलीज़ हुई "उमाकांत पांडे"। प्रोडयूसर जयविंद्र सिंह भाटी अब निर्देशक भी बन गए हैं और उनके कई प्रोजेक्ट्स आ रहे हैं। फिलहाल वह दो फिल्मों पर काम कर रहे हैं। "जिला गौतम बुद्ध नगर" और (केबल टीवी)एक प्रेम कहानी ऐसी भी "इन दोनो फ़िल्मों के कॉन्सेप्ट बहुत ही अलग हैं। (केबल टीवी) एक प्रेम कहानी ऐसी भी" यह एक कॉमेडी लव स्टोरी है। ये तीन दोस्तो की कहानी है जो "केबल टीवी " कंपनी में काम करते हैं। वे बहुत शरारती और नटखट किस्म के होते हैं। फिर उनकी जिंदगी में लड़की की एंट्री होती है और कैसे उनकी जिंदगी बदलती है। मूवी बहुत ही जबरदस्त होने वाली है। वहीं "जिला गौतम बुद्ध नगर" एक गैंगस्टर पर आधारित एक्शन मूवी है। उन्हें फ़िल्म डायरेक्टर बनने का ख्याल कैसे आया? इस सवाल पर वह कहते हैं "जब में फिल्म शुरू करने से पहले स्क्रिप्ट पढ़ता था तो मुझे लगता था कि बहुत सारे सीन्स जबरदस्त व शानदार होने वाले हैं। लेकिन जब वो सीन शूट होने के बाद मेरे सामने आता था तो मुझे लगता था कि कहीं ना कही कई चीजें छूट गई हैं। तब मुझे लगा कि अगर मैं डायरेक्शन में हाथ आजमाऊ तो जरूर चीजें बेहतर निकल कर आएंगी।

वह प्रोड्यूसर और डायरेक्टर के रूप में दो अलग जिम्मेदारियों को काफी चैलेंजिंग मानते हैं।

लेकिन उनका कहना है कि जिंदगी में जब तक चैलेंज नही मिलते तब तक बड़े काम को अंजाम देना नामुमकिन है। वह ग्रेटर नोएडा से हैं और एक बिजनेसमैन हैं। हमेशा डायरेक्शन में रुचि रखने वाले जयविंद्र सिंह भाटी ने फिल्मे प्रोड्युस करते करते ही निर्देशन की बारीकियां भी सीखी और समझी हैं। वह अपनी अपकमिंग मूवीज की शूटिंग ग्रेटर नोएडा, बुलंदशहर, आगरा और उत्तराखंड में करेंगे। वह फिल्मो मे कहानी को बेहद महत्वपूर्ण मानते हैं, और कलाकारों का चुनाव किरदार और स्टोरी के अनुसार ही करते हैं। वह अपनी फिल्मो मे गीत संगीत को भी बड़ी अहमियत देते हैं। वह कहते हैं "एक फिल्म का म्यूजिक फिल्म को हिट या फ्लॉप करने की ताकत रखता है।इस लिए मै हमेशा टॉप सिंगर्स जैसे अरिजीत सिंह, सुनिधी चौहान, दिव्या कुमार, पावनी पाण्डेय ,जोनिता गाधीं, की ही आवाज अपने गानों में रखता हूं।"

साउथ सुपरहिट स्टार पुनीत राजकुमार, रेमो डी सूजा और विजय सेतुपति व चीता यजनेश शेट्टी ने फिल्म "द रेज ऑफ अर्जुन" का पोस्टर रिलीज़ किया

मुंबई: फिल्मों के सुप्रसिद्ध मार्शल आर्ट एक्सपर्ट चीता यजनेश शेट्टी आजकल तीन भाषाओं में बननेवाली फिल्म "द रेज ऑफ अर्जुन" का एक्शन कोरियोग्राफी करने में व्यस्त है और साथ ही साथ वोदिक फिल्म्स व एज़ प्रोडक्शन के साथ मिलकर इस फिल्म को प्रजेंट कर रहे है। यह फिल्म तीन भाषाओं में बन रही है। इस फिल्म का लुक यानि रिलीज़ एक ही दिन यानि १६ जुलाई २०२१ को तीन जगह पोस्टर रिलीज़ किया गया। साउथ के सुपरहिट स्टार पुनीत राजकुमार द्वारा कन्नड़ में,रेमो डिसूजा द्वारा हिंदी में व तामिल में विजय सेतुपति द्वारा रिलीज़ किया गया। मुंबई के वसई (ईस्ट) के वी-२ स्टूडियो में शूटिंग के पहले दिन तेलुगु भाषा में बननेवाली का पोस्टर विजय सेतुपति द्वारा रिलीज़ के दौरान अनूप सागर, अमरजीत शेट्टी,चीता यजनेश शेट्टी, फिल्म के हीरो सुशांत पुजारी व निर्देशक किशोर बॉयज़ोन व यूनिट के लोग उपस्थित थे। फिल्म हिंदी, तेलगू और कन्नड़ में बन रही है। इसके निर्माता किरण शेट्टी दुबई,आशिका सुवर्णा,विनोद कुमार और शिवराज आरएम है।कहानी और पटकथा एम चंद्रमौली और सुजय एस कामथ का है।डायलॉग केजीएफ फेम एम चंद्रमौली का है। इसकी मुख्य नायिका हर्षिका पुनचा है।

चीता यजनेश शेट्टी ने फिल्म फिल्म के बारे में कहा,"यह डांस पर आधारित एक्शन फिल्म है। मेरे द्वारा एक्शन कोरियोग्राफी तथा अंदलिब पठान द्वारा एक्शन निर्देशन है। यह फिल्म इसी साल रिलीज होगी।"

फिल्म "द रेज ऑफ अर्जुन" में डीओपी दिलीप कुमार एम.एस. है, संगीत सचिन बसरूर का,सह-निर्देशन रघु अथर्वा और सुजय एस कामथ का,एक्शन डायरेक्टर अंदलिब पठान का,कोरियोग्राफी दीक्षित कुमार, प्रशांत शिंदे, अमित रोकड़े,अभय जनबंधु का,प्रचार डिजाइन थीक्षान आचार्य का तथा इसके कार्यकारी निर्माता मुरली फिक्सर्ट, डेंसन पिंटो और प्रथीक भांडी है।

करिश्मा दिखाएंगी जलवा

टीवी शो सुपर डांसर- चैप्टर ४ में आनेवाले वीकेंड में बॉलीवुड की खूबसूरत एक्ट्रेस करिश्मा कपूर का जलवा देखने को मिलनेवाला है। जी हां, राज कुंद्रा प्रकरण के कारण सोनी के मशहूर शो सुपर डांसर- चैप्टर ४ से अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी हट गई हैं इसलिए इस हफ्ते शो में करिश्मा कपूर जज के रूप में कोरियोग्राफर गीता कपूर और निर्माता अनुराग बसु के साथ नजर आएंगी। करिश्मा कपूर बॉलीवुड इंडस्ट्री की बेहतरीन एक्ट्रेस होने के साथ-साथ शानदार डांसर भी हैं।

गाने में कहानी

एक्ट्रेस कृति सेनन की आनेवाली फिल्म मिमी का नया गाना 'रिहाई दे' रिलीज हो गया है। इस गाने को एआर रहमान ने अपनी आवाज दी है, जो सीधे दिल में उतरती है। इस गाने ने दर्शकों का दिल जीत लिया है।

गाने में कृति सेनन की अदाकारी दर्शकों को कई बातें सोचने पर मजबूर करेगी। इस फिल्म के अनोखे कॉन्सेप्ट की वजह से फैंस फिल्म की कहानी में दिलचस्पी लेते नजर आ रहे हैं। फिल्म ३० जुलाई को ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होनेवाली है।

पोर्न केस में फंसे राज कुंद्रा को शिल्पा शेट्टी ने बताया निर्दोष

बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी (Shilpa Shetty) के पति व बिजनसमैन राज कुंद्रा (R a j Kundra) पोर्नोग्राफिक मामले में फंसे हैं। बीते दिन मुंबई क्राइम ब्रांच शिल्पा के घर पर राज कुंद्रा को लेकर पहुंची थी, जहां दोनों को आमने- सामने बैठाकर पूछताछ की गई। इस बीच शिल्पा शेट्टी ने कहा कि उनके पति निर्दोष हैं। इसके साथ ही उन्होंने हॉटशॉट्स ऐप के लिए जिम्मेदार शख्स का भी नाम लिया है।

राज कुंद्र पोर्न निर्माण में शामिल नहीं

न्यूज एजेंसी एएनआई ने मुंबई पुलिस के सूत्रों के हवाले से बताया, 'शिल्पा शेट्टी को हॉटशॉट्स के कंटेंट की पूरी जानकारी नहीं थी। शिल्पा का कहना है कि उनका हॉशॉट्स से कोई लेना देना नहीं है। शिल्पा का कहना है कि इरॉटिक और पोर्न में बहुत फर्क होता है और उनके पति राज कुंद्रा पोर्न कंटेंट के निर्माण में शामिल नहीं थे।'

प्रदीप बख्शी का लिया नाम

एएनआई ने थ्रेड ट्वीट में आगे लिखा, 'शिल्पा शेट्टी ने आगे बताया कि यह लंदन स्थित आरोपी और राज कुंद्रा के ब्रदर- इन- लॉ प्रदीप बख्शी थे जो ऐप और इसके कामकाज से जुड़े थे, शिल्पा ने दावा किया कि उनके पति निर्दोष हैं।'

'जिंदगी मेरे घर आना' को श्रेया घोषाल ने दी आवाज

श्रेया घोषाल का नाम उन सिंगर्स में शुमार है, जो हर बार अपनी आवाज से दर्शकों का दिल जीत लेती हैं। इस बीच श्रेया ने स्टार प्लस के अपकमिंग शो 'ज़िन्दगी मेरे घर आना' के प्रोमो सॉन्ग को अपनी आवाज दी, जिसे फैन्स काफी पसंद कर रहे हैं।

फैन्स और सितारों ने की तारीफ

श्रेया के इस गाने को सुनकर उनके फैन्स और इंडस्ट्री के कई सितारों ने उनकी जमकर तारीफ की। उनके सोशल मिडिया अकाउंट पर हुए इस म्यूजिकल प्रोमो पोस्ट पर कमेंट करते हुए भारतीय कम्पोजर सलीम लिखते हैं - 'बहुत ही खूबसूरत गाना। इसे आपने बहुत उम्दा तरीके से गाया है।' इसके अलावा तारीफ करने वालों की सूची में म्यूजिशियन विशाल ददलानी, गायिका प्रचीति मोहपात्रा, अभिनेत्री सना अमीन शेख अन्य लोगों के नाम भी शामिल हैं। अन्य कई लोगों ने भी इस गाने को खूब सराहा।

ईशा कंसारा ने क्या कहा

'ज़िन्दगी मेरे घर आना' शो में मुख्य अभिनेत्री की भूमिका निभा रही ईशा कंसारा इसपर कहती हैं, "90 और 2000 के दौर के गानों के लिए मेरा प्यार पूरी तरह से सभी के समझ के बाहर है और जब श्रेया घोषाल जी की बात आती है, तो मेरा पागलपन चरम पर पहुंच जाता है। मैं बहुत अभिभूत हूं कि उन्होंने मेरे आने वाले शो 'ज़िन्दगी मेरे घर आना' के म्यूजिकल प्रोमो के लिए गाना गाया है। गाना धीरे-धीरे मेरे सिर पर चढ़ रहा है और इस ट्रैक के साथ मेरा खूबसूरत कनेक्शन बन रहा है। श्रेया जी का यह गीत दिल, आत्मा, जुनून, विवेक, कल्पना, शक्ति, भेद्यता और सभी चीजों से ऊपर है जो है प्यार। मैं अपने सभी दर्शकों और प्रशंसकों से इस खूबसूरत गाने को एक बार सुनने का आग्रह करती हूं।'

प्रभाष संग अमिताभ बच्चन ने दिया पहला शॉट

बॉलीवुड अमिताभ बच्चन अक्सर अपने हर नये प्रोजेक्ट की जानकारी अपने ऑफिशियल सोशल अकाउंट से करते हैं। इसी बीच आज गुरु पूर्णिमा के शुभ अवसर पर अमिताभ ने एक पोस्ट शेयर किया है और बताया है कि उन्होंने साउथ डायरेक्टर नाग अश्विन के डायरेक्शन में बनने वाली साइंस-फिक्शन थ्रिलर फिल्म की शूटिंग शुरू कर दिया है। साथ ही साथ उन्होंने इस फिल्म के मुहूर्त की क्लैपबोर्ड की एक तस्वीर इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया है।

ये एक बहुत ही खूबसूरत पल है...

अमिताभ बच्चन ने इंस्टाग्राम पर क्लैप बोर्ड की तस्वीर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, 'प्रोजेक्टके' के मुहूर्त पर शॉट देते हुए...ये एक बहुत ही खूबसूरत पल है..जब मुहूर्त पर शॉट देने वाला शख्स भारतीय फिल्म जगत में अपनी कलाकारी का जलवा फिल्म 'बाहुबली' के जरिए बिखेर चुका हो।' इस पोस्ट को अमिताभ ने एक्टर प्रभास, दीपिका पादुकोण, फिल्म निर्देशक नाग अश्विन और विजयंती मूवी को टैग किया है।

फिल्म में दीपिका और प्रभाष भी होंगे साथ

मजेदार बात ये है कि इस फिल्म में पहली बार अमिताभ बच्चन, साउथ प्रभास साथ दिखेंगे। वहीं दीपिका पादुकोण भी प्रभाष के साथ पहली बार स्क्रीन शेयर करेंगी। हालांकि अमिताभ के साथ दीपिका पहले भी फिल्म पीकू में नजर आ चुकी हैं।

प्रभाष ने किया अमिताभ बच्चन का स्वागत

बिग बी ने जहां फिल्म की शूटिंग शुरू करने की जानकारी साझा किया है, तो वहीं एक्टर प्रभाष ने अमिताभ के फिल्म में स्वागत करते हुए कैप्शन में लिखते हैं , 'इस गुरु पूर्णिमा के मौके पर इंडियन सिनेमा के गुरु के लिए ताली बजाना मेरे लिए सम्मान की बात है।

आर्किटेक्चर में करियर बनाने का मौका

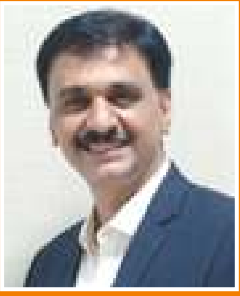

आर्किटेक्ट धीरज सल्होत्रा
(प्रधान अध्यापक)
ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, मुंबई

आर्किटेक्चर, काउंसिल ऑफ आर्किटेक्चर के तहत भारत में आर्किटेक्चर शिक्षा को नियंत्रित करने वाली शीर्ष संस्था के रूप में पांच साल का पूर्णकालिक पेशेवर डिग्री प्रोग्राम है। कार्यक्रम के सफल समापन पर स्नातक वास्तुकला परिषद नई दिल्ली के साथ सदस्यता के लिए पंजीकरण करते हैं, जो उन्हें वास्तुकार की उपाधि का उपयोग करने और वास्तुकला अभ्यास में संलग्न करने में सक्षम बनाता है।

महामारी के मद्देनजर वास्तुकला परिषद ने शैक्षणिक वर्ष 2021-22 के लिए वास्तुकला में प्रवेश के मानदंडों में ढील दी है। वर्तमान पात्रता मानदंड में कहा गया है कि, पीसीएम या गणित के साथ समकक्ष डिप्लोमा के साथ एचएससी (विज्ञान) उत्तीर्ण करने वाला कोई भी छात्र वैध एनएटीए स्कोर के साथ आर्किटेक्चर में प्रवेश के लिए पात्र है। आर्किटेक्चर में नेशनल एप्टीट्यूड टेस्ट (N A T A) काउंसिल ऑफ आर्किटेक्चर द्वारा आयोजित एक स्वतंत्र राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा है। इस वर्ष के लिए न्यूनतम पात्रता स्कोर को 70/200 कर दिया गया है। आर्किटेक्चर में प्रवेश पाने के इच्छुक उम्मीदवारों के पास NATA के लिए पंजीकरण करने और आर्किटेक्चर संस्थानों में प्रवेश के लिए पात्रता हासिल करने का अंतिम मौका है। उम्मीदवार 3 सितंबर 2021 को होने वाली तीसरी NATA परीक्षा के लिए https://www.nata.in/ & https://nataregistration.in/ पोर्टल के माध्यम से पंजीकरण कर सकते हैं।

शैक्षणिक वर्ष 2021 में आर्किटेक्चर के कार्यक्रम में प्रवेश पाने के इच्छुक उम्मीदवारों के लिए यह आखिरी मौका है।

आर्किटेक्चर एक प्रतिस्पर्धी क्षेत्र है और स्नातक को या तो एक उद्यमी के रूप में स्वयं अभ्यास शुरू करने या एक स्थापित फर्म के साथ प्रशिक्षु के रूप में काम करने की अनुमति देता है। वास्तुकला का पांच वर्षीय डिग्री कार्यक्रम एक बहु कौशल आधारित कार्यक्रम है जो एक उम्मीदवार के व्यक्तित्व को बढ़ाता है और पेशे की चुनौतियों का सामना करने के लिए आत्मविश्वास प्रदान करता है। वास्तुकला शिक्षा की मुख्य विशेषता उद्योग के विशेषज्ञों की अतिथि संकाय सदस्यों के रूप में भागीदारी है। पाठ्यक्रम व्यावहारिक कार्य और उद्योग संपर्क की भागीदारी के साथ सिद्धांत आधारित शिक्षा को एकीकृत करता है। एक पूरा सेमेस्टर इंटर्नशिप प्रशिक्षण के लिए आरक्षित है जो गुणवत्तापूर्ण प्लेसमेंट सुनिश्चित करता है।

कार्यक्रम से स्नातक विशेषज्ञता के संबद्ध क्षेत्रों में विभिन्न परास्नातक कार्यक्रमों को भी आगे बढ़ा सकते हैं। परियोजना, पर्यावरण और निर्माण प्रबंधन के विशिष्ट क्षेत्रों में विभिन्न विशेषज्ञता वाले वास्तुकारों की उद्योग की भारी मांग है। अचल संपत्ति प्रबंधन उद्योग के अगले दशक में अभूतपूर्व विकास दर के साथ बढ़ने की उम्मीद है। वास्तुकला शिक्षा की विशिष्टता के साथ-साथ कार्यक्षेत्र के बारे में अधिक जानकारी वेबसाइट tsapmumbai.in पर जाकर प्राप्त की जा सकती है

महाराष्ट्र में बाढ़ का कहर, मुंबई में इमारत ढही

एक तरफ जहां महाराष्ट्र के कई जिले बाढ़ की चपेट में है। तो वहीं दूसरी तरफ मायानगरी मुंबई में एक दो मंजिला मकान गिरने से 4 लोगों की मौत हो गई है जबकि 11 लोग जख्मी हुए हैं। यह इमारत हादसा मुंबई के शिवाजी नगर इलाके के गोवंडी में हुआ है। फायर ब्रिगेड अधिकारियों के मुताबिक यह एक ग्राउंड प्लस वन का मकान था। सुबह 5 बजे की घटना दमकल विभाग के अधिकारियों के मुताबिक यह घटना सुबह तकरीबन 5 बजे हुई। यह घटना शिवाजी नगर के मुंबई सिटी हॉस्पिटल के पास मौजूद प्लॉट संख्या तीन पर घटी है। दमकल विभाग के मुताबिक इस दुर्घटना में 15 लोग जख्मी हुए थे जिसमें से 7 लोगों को मुंबई के राजावाडी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है और तीन लोगों को सायन अस्पताल में भर्ती किया गया है। इस दुर्घटना में 4 लोग अस्पताल में पहुंचने पर मृत घोषित किए गए। इसके पहले मुंबई के मालवणी इलाके में भी ऐसे ही एक इमारत हादसे में 11 लोगों की मौत हुई थी।

मुंबई में दो मंजिला मकान गिरा, 3 की मौत

भायंदर फाटक पे गुरु पूर्णिमा के शुभ दिन पर न्यू महाराणा स्वीट एंड फरसान का भव्य उद्घाटन धाम धूम से संपन्न हुआ

भाइंदर इस्ट : गुरुपुर्णिमा के सुभ अवसर पे भयंदर फाटक पर न्यू महाराणा स्वीट एंड फरसान का ग्रैंड ओपनिंग पूर्व आमदार श्रीमान नरेंद्र एल मेहता और श्रीमान नरेश तुकाराम पाटिल (मेंबर ऑफ म्युनिसिपल कॉरपोरेशन वार्ड नंबर 9 मीरा भयंदर) के शुभ हाथों से हुआ इस अवसर पर कान सिंह राठौड़ गजेंद्र वैष्णव पप्पू सिंह गणेश जगताप जोग सिंह देवरा श्रवण सिंह राठौड़ पर्वत सिंह भांका रणवीर सिंह शेखावत ईश्वर देवासी और अन्य महानुभव की उपस्थिति में हुआ

गुणवत्तापूर्ण और समय पर करो काम पूरा -आदित्य ठाकरे

मुंबई, वरली परिसर में मौजूदा बांद्रा-वर्ली सी लिंक और भविष्य में बनाए जानेवाले कोस्टल रोड, वर्ली-शिवडी लिंक रोड इस परियोजना के कारण यातायात बढ़ेगा। इस पृष्ठभूमि में सड़कों और अन्य बुनियादी ढांचे का काम समय पर और गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा किया जाए, ऐसा निर्देश पर्यावरण मंत्री आदित्य ठाकरे ने दिया। पर्यावरण मंत्री आदित्य ठाकरे ने वर्तमान में शुरू और प्रस्तावित विभिन्न कामों की समीक्षा की। इन कार्यों में सड़कें, मैदान, रेलवे पुलों के पूरक सड़कें, किला परिसर, फुटपाथ, जिम, शौचालय आदि समावेश हैं। इस अवसर पर विधायक सदा सरवणकर, प्रभाग समिति अध्यक्ष दत्ता नरवणकर, पूर्व मंत्री सचिन अहिर, महापालिका उपायुक्त (पायाभूत सुविधा) राजन तलकर, जी दक्षिण विभाग के सहायक आयुक्त शरद उघडे सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि और अधिकारी उपस्थित थे।

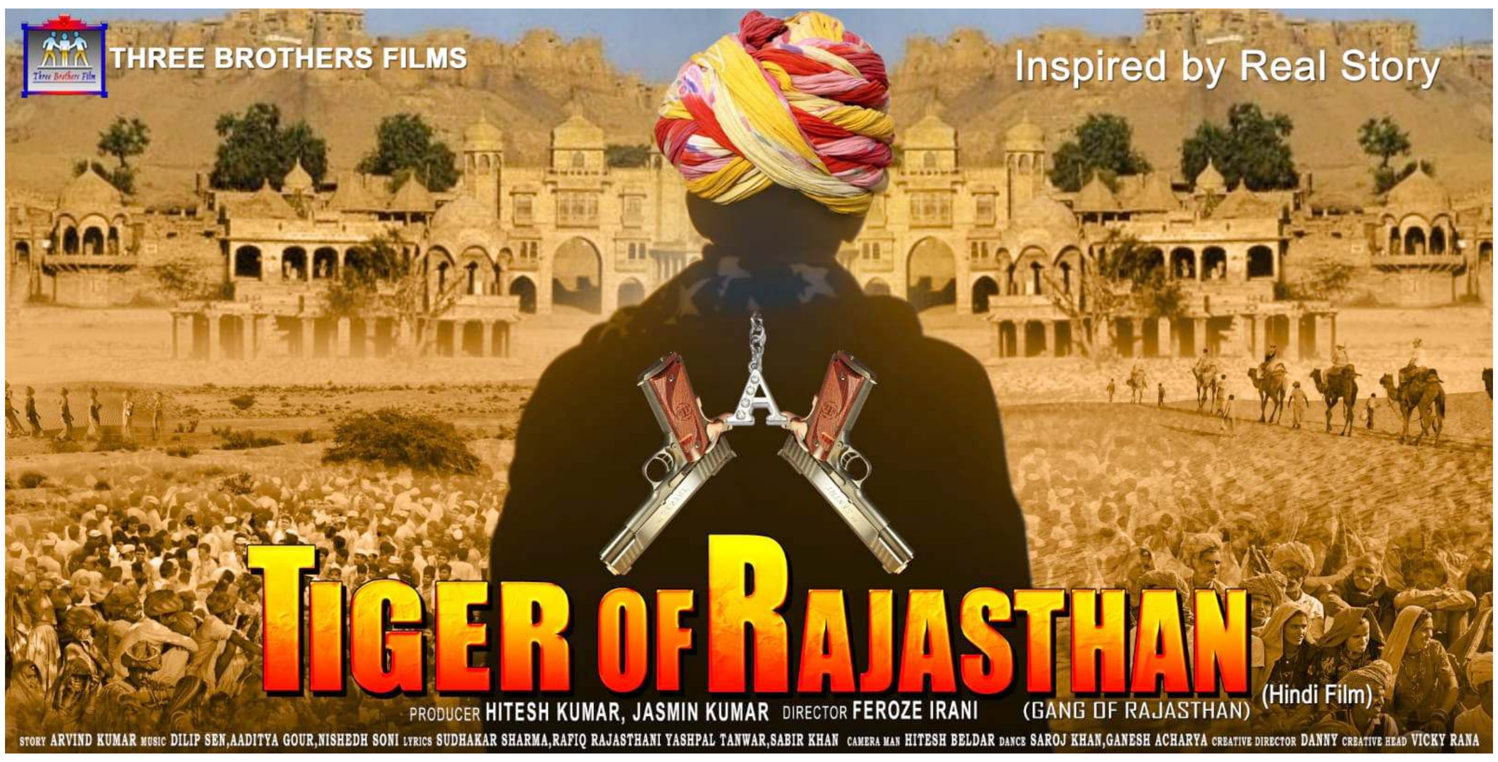

सब्जियों के दाम पर पड़ा बारिश का असर... थोक बाजार में 50% भाव हुए कम!

नई मुंबई, पिछले कई दिनों से लगातार हो रही मूसलाधार बारिश का असर जनजीवन के साथ-साथ सब्जियों के भाव पर भी दिखाई दिया है। सब्जियों के दामों में भारी गिरावट आने की बात बताई जा रही है। बताया जाता है कि होलसेल बाजार में सब्जियों की आवक अधिक और बिक्री कम होने के कारण इन दिनों सब्जियों के भाव में ४० से ५० प्रतिशत की गिरावट आई है। गौरतलब हो कि पिछले चार दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश के चलते मुंबई कृषि उत्पन्न बाजार समिति के सब्जी मार्वेâट में सब्जी खरीददारों का आवागमन नाममात्र होने से पत्तेदार सब्जियां सड़ने लगी हैं, जिसे व्यापारी फेंकते हुए नजर आ रहे हैं। इसी प्रकार अन्य सब्जियों के दामों में भी जबरदस्त गिरावट हुई है। सब्जी व्यवसायी एस.पी. अग्रहरि ने बताया कि होलसेल मार्वेâट में सब्जियों की आवक बराबर हो रही है लेकिन गत चार दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश के कारण सब्जियों के खरीददार मार्वेâट में काफी कम आ रहे हैं, जिसके कारण सब्जियां धरी की धरी रह जाती हैं। होलसेल मार्केट में एक सप्ताह पहले ७० रु प्रति किलो बिकनेवाली हरी मटर का भाव अब ३० से ४० रुपए प्रति किलो हो गया है। अन्य सब्जियों में भिंडी १२ से १५ रुपए प्रति किलो, फूल गोभी ८ से १० रुपए प्रति किलो, तरोई १४ से १६ रुपए प्रति किलो, लौकी १७ रुपए प्रति किलो, परवर १६ रुपए प्रति किलो, बैगन ६ रुपए प्रति किलो, ककड़ी ८ रुपए प्रति किलो, टमाटर १६ रुपए प्रति किलो, पालक ४ रुपए जुरी, कोथंबीर ६ रुपए जुरी, मेथी ८ रुपए, हरी मिर्च ४० रुपए प्रति किलो, अदरक ४० रुपए, प्रति किलो के भाव से बेचे जा रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ खुदरा बाजार में मन चाहे भाव से सब्जियां खुदरा व्यवसाई बेच रहे हैं।

विश्वा सर्जनहार संगठन द्वारा संचालित सूरत के पासोदरा में वैक्सीन कैंप का आयोजन किया जिसमें 6000 से भी ज्यादा लोगों ने लाभ लिया

विश्वकर्मा वंश जो द्वारा चलित विश्व सर्जनहार संगठन और महानगर पालिका आरोग्य विभाग के सहकार से पासोद्रा प्राथमिक शाला में कोरोना वैक्सीन और कोरना रैपिड टेस्ट के अलावा जन धन अकाउंट खोलने की पकरिया कराई गई पथ विजय भगवान धर्म चक्र चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आयुर्वेदिक मेडिसिन का वाटप्प कराया गया इस अवसर पर पाल के कैंप में अटल आश्रम के परम पूज्य बटुक गिरी बापू और वराछा बैंक के चेयरमैन भगवान भाई नवापुरा सौराष्ट्र गुजर सुथार समाज के प्रमुख किशोर भाई उच्चडया मित्र चैनल के हितेश भाई मिस्त्री के अलावा अन्य महानुभाव ने केंद्र की मुलाकात देखें विश्व सर्जनहार संगठन के पद अधिकारी को शुभेच्छा दी

मुंबई के मलाड अप्पा पाड़ा आनंदनगर नाला में कोरोना के कारण शनिवार की रात अचानक हुई बारिश से बाढ़ आ गई, जिससे लोगों के घरों में पानी भर गया. वहीं भाजपा के वार्ड नंबर 38 के अध्यक्ष लालासाहेब उबाळे को परीस्थिति गंभीर होने का पता चला. तब उन्होंने 23/07/2021 को तत्काल आनंदनगर नाला जाकर लोगों की समस्या का समाधान किया और राशन (किट) का वितरण किया गया।

लालासाहेब उबाळे, वार्ड नंबर 38
भाजपा अध्यक्ष

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल, उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।